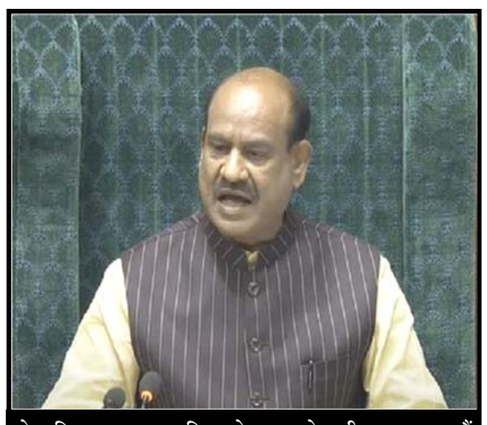

ओम बिरला एक बार फिर लोकसभा के स्पीकर बन गए हैं। बुधवार को उन्हें ध्वनिमत से स्पीकर चुना गया। लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने अपने पहले ही संबोधन में इमरजेंसी की निंदा की। उन्होंने कहा कि सदन आपातकाल की निंदा करता है।

जनहितैषी

हिन्दी दैनिक

जनहितैषी अब janhitaishinews.com पर भी

R.N.I. No. 64278/96 वर्ष:29 अंक: 54 दिनांक:27-06-2024 गुरूवार मूल्य : 1 रूपया 50 पैसा पृष्ठ:4 वडोदरा M

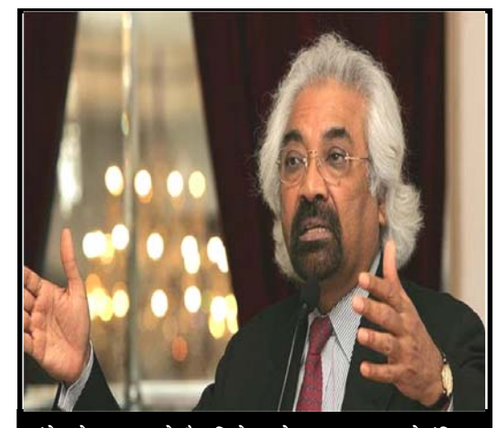

कांग्रेस ने बुधवार को सैम पित्रोदा को तत्काल प्रभाव से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया। इससे कुछ सप्ताह पहले उन्होंने भारतीयों की त्वचा के रंग पर अपनी नस्लवादी टिप्पणी के कारण विवाद के बाद पद से इस्तीफा दे दिया था।

ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा स्पीकर बने

विपक्ष ने लोकसभा अध्यक्ष पद के लिए मत विभाजन की मांग नहीं की, जयराम रमेश बोले- सहयोग का भाव जरूरी

नई दिल्ली(ईएमएस)। ओम बिरला लगातार दूसरी बार लोकसभा के स्पीकर चुने गए। बुधवार को सदन की कार्यवाही शुरू होते ही प्रोटेम स्पीकर भतृर्हरि महताब ने स्पीकर के चुनाव की घोषणा की। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने बिरला के नाम का प्रस्ताव रखा। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत एनडीए के नेताओं ने समर्थन किया। सदन में ध्वनिमत से बिरला के नाम का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया गया। इसके बाद पीएम मोदी और विपक्ष के नेता राहुल गांधी उन्हें चेयर तक छोड़ने आए। इससे पहले शिवसेना (यूटीबी) सांसद अरविंद सावंत ने कांग्रेस सांसद के. सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष के रूप में चुने जाने का प्रस्ताव रखा। सदन की कार्यवाही ढाई घंटे चली।

एक तरफ तृणमूल कांग्रेस ने लोकसभा अध्यक्ष के चुनाव के लिए मत विभाजन की अनुमति न मिलने पर सवाल उठाए हैं। उधर, इस मामले में कांग्रेस का कहना है कि विपक्षी गठबंधन ने अध्यक्ष के चुनाव के लिए मत विभाजन की मांग नहीं की। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश का कहना है कि विपक्षी गठबंधन इस मामले में सर्वसम्मति और सहयोग की भावना के साथ काम करना चाहता था। जयराम रमेश ने आगे कहा विपक्षी गठबंधन के घटक दलों ने कोडिकुन्निल सुरेश को लोकसभा अध्यक्ष पद का उम्मीदवार बनाया था। इसके बाद ध्वनिमत के आधार पर अध्यक्ष का चुनाव किया गया। इंडिया के घटक दल मत विभाजन पर जोर डाल सकते थे लेकिन उन्होंने ऐसा नहीं किया क्योंकि वे सहमति और सहयोग की भावना के आधार पर मत विभाजन करने के पक्ष में नहीं थे। प्रधानमंत्री और एनडीए के हावभाव में इसकी कमी देखने को मिली।

आपातकाल को काला धब्बा बताया

बिरला ने पहले भाषण में आपातकाल को काला धब्बा बताया। 2 मिनट का मौन रखवाया। सत्ता पक्ष ने मौन रखा, लेकिन विपक्ष ने हंगामा किया और कहा- स्पीकर भाजपा का एजेंडा चला रहे हैं। सत्र 27 जून को राष्ट्रपति के अभिभाषण तक स्थगित कर दिया गया।

कानपुर में तैयार हुई सबसे हल्की बुलेटप्रूफ जैकेट, एके 47 की गोलियां भी रहेंगी बेअसर

कानपुर(ईएमएस)। सेना को सुरक्षा संबंधी सामग्री मुहैया करवाने वाली ऑर्डिनेंस इक्विपमेंट फैक्ट्री द्वारा आत्मनिर्भर भारत मुहिम के तहत एक नई तरह की बुलेट प्रूफ जैकेट तैयार की गई है, जो अपने आप में काफी खास है। फैक्ट्री ने एक नई बुलेट प्रूफ जैकेट ईजाद की गई है, जो वजन में बेहद हल्की और पहनने में काफी आसान है। इस जैकेट के अंदर कई तरह की चीज रखने के लिए अलग-अलग कंपार्टमेंट भी दिए गए है। इंजीनियरों का ऐसा दावा है कि इस जैकेट का एके-47 जैसी गोलियां भी कुछ नहीं बिगाड़ सकती हैं।

बात की जाए इसकी कीमत की तो यह 84 हजार रुपये में उपलब्ध होगी। शुरुआती दौर में केरल पुलिस को करीब 170 जैकेट्स की खेप दी गयी है। महाप्रबंधक अनिल रंगा ने बताया कि सेना के जवानों के अलावा पैरामिलिट्री और पुलिस फोर्स के लिए यह जैकेट काफी लाभकारी साबित हो सकती है। क्योंकि यह जैकेट पहनने में आसान और वजन में काफी हल्की है। इसका वजन करीब 6.5 किलोग्राम है। इतना ही नहीं इस जैकेट को एके-47 की गोलियां भी नहीं भेद पाएंगी।फैक्ट्री के इंजीनियरों ने बताया कि इससे पहले उन्होंने भाभा कवच का निर्माण किया था, जिसका वजन करीब 10 किलो था और चारों ओर से जवानों को सुरक्षा प्रदान करती थी। इसकी कीमत करीब एक लाख 40 हजार रुपए की थी।

अदालत ने केजरीवाल को 3 दिन की सीबीआई रिमांड पर भेजा

नई दिल्ली (ईएमएस)। शराब नीति केस में फंसे दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल को अदालत ने 3 दिन की सीबीआई रिमांड पर भेज दिया है।

सीबीआई ने 25 जून को रात 9 बजे तिहाड़ जाकर शराब नीति में भ्रष्टाचार को लेकर केजरीवाल से पूछताछ की थी। शराब नीति केस से जुड़े मनी लॉन्ड्रिंग के आरोप में ईडी ने उन्हें 21 मार्च को गिरफ्तार किया था। वे पिछले 87 दिनों से तिहाड़ में बंद हैं। इस बीच सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर उन्हें 10 मई से 2 जून (21 दिन) तक जमानत मिली थी। लोकसभा चुनाव खत्म होने के एक दिन बाद 2 जून को उन्हें तिहाड़ में सरेंडर करना पड़ा था।

सीबीआई के वकील ने कोर्ट में कहा, हमें केजरीवाल की 5 दिन की कस्टडी चाहिए। केस से जुड़े आरोपी विजय नायर केजरीवाल के सहयोगी थे, लेकिन अब केजरीवाल कह रहे कि हैं कि वे नहीं जानते कि विजय उनके अंडर काम करता था। केजरीवाल कह रहे है कि विजय आतिशी और सौरभ भारद्वाज के अंडर में काम करता था। उन्होंने सारा मामला सिसोदिया पर डाल दिया है। इस पर केजरीवाल से पूछताछ करनी ही होगी।

राउज एवेन्यू कोर्ट में सुनवाई के दौरान अरविंद केजरीवाल ने करीब 1 मिनट तक अपना पक्ष रखा। इस दौरान उन्होंने अपने खुद को निर्दोष बताया। अरविंद केजरीवाल ने कहा, सीबीआई की तरफ से मीडिया में प्लांट किया जा रहा है कि मैंने सारा दोष मनीष सिसोदिया पर डाल दिया है। मैंने ऐसा कोई बयान नहीं दिया है। मैंने कहा है- मैं भी निर्दोष हूं।।। मनीष सिसोदिया भी निर्दोष हैं।

अभी तो इन्होंने अरेस्ट किया है अगले तीन-चार दिन तक यह इसी तरह की चीज प्लांट करेंगे। इस चीज को भी ऑन रिकॉर्ड लिया जाए कि कैसे मीडिया में प्लांट किया जा रहा है और बदनाम किया जा रहा है। मैं यही भी कहना चाहता हूं कि आम आदमी पार्टी भी निर्दोष है।

मोदी के हनुमान ने.....राहुल और अखिलेश को लपेट दिया

नई दिल्ली (ईएमएस)। संसद की पहली परीक्षा में बुधवार को मोदी सरकार पास हो गई। लोकसभा स्पीकर के चुनाव में एनडीए की जीत हुई है। ओम बिरला फिर लोकसभा स्पीकर चुने गए। संसद सत्र के तीसरे दिन यानी बुधवार को पीएम मोदी, राहुल गांधी और अखिलेश ने ओम बिरला को बधाई दी। राहुल और अखिलेश ने बधाई देने के साथ परोक्ष रूप से मोदी सरकार पर वार भी किया। इसके बाद जब पीएम मोदी के हनुमान की बारी आई....तब उन्होंने एक साथ 'यूपी के दो लड़को' को लपेट कर घोबीपछाड़ दिया। जी हां, चिराग पासवान ने बिना नाम लिए राहुल गांधी-अखिलेश यादव और तमाम विपक्ष को जवाब दिया। विपक्षी दलों से चिराग ने इतना तक कहा कि अगर आप सत्ता पक्ष से बेहतर आचरण की उम्मीद कर रहे हैं, तब आपको भी ऐसा ही आचरण दिखाना होगा। चिराग ने अपने बयान में राहुल गांधी की उस मांग की ओर इशारा किया, जिसमें उन्होंने मोदी सरकार से डिप्टी स्पीकर पद मांग की थी। अपने संबोधन में चिराग ने अखिलेश को भी लपेट दिया। अखिलेश ने लोकसभा स्पीकर से विपक्ष के साथ-साथ सत्ता पक्ष पर अंकुश लगाने की बात कही थी।

चिराग ने कहा, सर हमलोग चुनाव लड़कर आ गए हैं। मैं तमाम साथियों से आग्रह करूंगा कि जहां चुनाव लड़ना था, हमलोग लड़ चुके हैं। अब हम सबकी जिम्मेदारी है कि अपने-अपने क्षेत्र के मुद्दों को रखें और अपने देश को आगे ले जाने की जिम्मेदारी के साथ कार्य करने का प्रयास करें। सर आज आपको केवल बधाई देने के लिए खड़े हुए हैं। कई बार विपक्ष के द्वारा कई बातें कही जाती हैं। लेकिन मैं आपसे बस इतना आग्रह करूंगा कि जब आप एक उंगली किसी की तरफ उठाते हैं, तब बाकी उंगलियां आपकी तरफ उठती हैं। जब आप सत्ता पक्ष से किसी एक आचरण की उम्मीद करते हैं, तब हम भी आपके राज्य में उसी आचरण की उम्मीद करते हैं। कई राज्यों में उदाहरण हैं। मैं नाम नहीं लेना चाहूंगा। जब आप स्पीकर और डिप्टी स्पीकर की बात करतें हैं, तब कई राज्य हैं, जहां स्पीकर का पद और डिप्टी स्पीकर का पद भी आपके पास ही है। जहां सरकार एनडीए का कोई घटक दल नहीं चला रहा, विपक्ष के दल चला रहे हैं।

चिराग ने अपने संबोधन की शुरुआत लोकसभा स्पीकर ओम बिरला को बधाई देकर की। चिराग पासवान ने कहा, 18वीं लोकसभा में जिस तरह से फिर से आपको यह जिम्मेदारी मिली है। हमें इसकी खुशी है। 17वीं लोक सभा का हमारा अपना अनुभव है। उस वक्त आपने पहली बार चुनकर आए महिला और युवा सांसदों को प्रोत्साहित किया था। सामने से आपने मौका दिया था। इस बार मेरी पार्टी में भी महिलाओं और युवाओं की तादाद है।

चिराग का बयान राहुल गांधी और अखिलेश के संबोधन के बाद हुआ था। जब चिराग सदन को संबोधित कर विपक्ष को आइना दिखा रहे थे, तब उनके पीछे बैठे गिरिराज सिंह गदगद नजर आए। चिराग की आचरण वाली नसीहत पर गिरिराज सिंह मेज थपथपाने लगे। स्पीकर पद पर चुनाव से पहले राहुल गांधी ने सरकार से डिप्टी स्पीकर पद की मांग की थी। चिराग ने उसी संदर्भ में सदन में यह बात कही। वहीं आचरण वाली बात अखिलेश के बयान के संदर्भ में थी।

ओम बिरला को बधाई देकर राहुल गांधी ने कहा कि संसद में सत्ता पक्ष के साथ ही विपक्ष की भी भूमिका बेहद अहम है। विपक्ष जनता की आवाज है और विपक्ष को भी अपनी बात रखने का मौका मिलना चाहिए, तभी लोकतंत्र मजबूत रहेगा। विपक्ष सरकार के साथ सहयोग करना चाहता है, लेकिन सरकार को भी विपक्ष की बात सुननी होगी।

अखिलेश यादव ने कहा कि आप जिस पद पर बैठे हैं, उससे कई गौरवशाली परंपराएं जुड़ी हुई हैं। हम उम्मीद करते हैं कि आप निष्पक्ष रहकर आप हर सांसद की बात सुने। आप लोकतंत्र के न्यायाधीश के रूप में बैठे हैं। आपका अंकुश विपक्ष के साथ ही सत्ता पक्ष भी रहे। चिराग का बयान विपक्ष पर हमला कैसे है, इस समझने के लिए नीचे दिए गए ग्राफ को समझें। इसमें उन राज्यों की लिस्ट है, जहां विपक्षी दलों की सरकार है और स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पद उसके ही पास है। पश्चिम बंगाल- टीएमसी ,तमिल नाडु- डीएमके , कर्नाटक- कांग्रेस , तेलं गाना- कांग्रेस , झारखंड- जेएम एम, पंजाब- आम आदमी पार्टी ,दिल्ली- आम आदमी पार्टी ,हिमाचल प्रदेश- कांग्रेस

3 नए क्रिमिनल कानून की एफ आई आर कहीं पर भी दर्ज कराने की सुविधा

नई दिल्ली (ईएमएस)। देश में 1 जुलाई से नए तीन क्रिमिनल कानून की एफआईआर कहीं पर भी, जीरो पर कायम हो सकेगी। 15 दिन के अंदर जीरो एफआईआर को संबंधित थाने में भेजना अनिवार्य होगा। पुलिस को जिस व्यक्ति के द्वारा रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। उसे 90 दिन के अंदर प्रगति रिपोर्ट की जानकारी देनी होगी। जांच करने के पश्चात 90 दिन के अंदर न्यायालय में चार्जसीट भी पेश करनी होगी। अधिकतम जांच की अवधि 6 माह रखी गई है। इसी अबधि में न्यायालय में आरोप तय किए जाएंगे।

न्यायालय द्वारा सुनवाई करने के पश्चात 30 दिन के अंदर फैसला सुनाना अनिवार्य किया गया है। कोई भी न्यायालय अब 30 दिन के बाद फैसला सुरक्षित नहीं रख सकेगी। फैसले और सजा के बीच में न्यायालय एक सप्ताह के अंदर सजा सुनाने का प्रावधान किया गया है।

भारतीय दंड संहिता के स्थान पर अब भारतीय न्याय संहिता लागू होगी। सीआरपीसी के स्थान पर अब भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता, एविडेंस एक्ट के स्थान पर भारतीय साक्ष्य संहिता 1 जुलाई से लागू की जा रही है। इसको लेकर देश भर में तैयारियां शुरू हो गई हैं। नए कानून को लागू करने के लिए जांच अधिकारियों को फोरेंसिक जांच वीडियोग्राफी की ट्रेनिंग दी जा रही है। नए कानून के तहत किस तरह की कार्रवाई की जानी है। इसका प्रशिक्षण दिया जा रहा है। न्यायालय में भी इस तरह का प्रशिक्षण शुरू हो गया है। 1 जुलाई के बाद अभी तक जो व्यवस्था थी। उसमें बड़ा बदलाव आ रहा है। जिसको लेकर जांच एजेंसी, न्यायालय और अधिवक्ता नए कानून के बारे में जानकारी प्राप्त कर रहे हैं।

नासा ने जियोस्टेशनरी आपरेशनल एनवायर्नमेंटल सैटेलाइट यू को किया सफलतापूर्वक लॉन्च

नई दिल्ली। नासा ने बुधवार को अंतरिक्ष और पृथ्वी पर मौसम के साथ-साथ बड़े सौर तूफानों की निगरानी के लिए गोज-यू (जियोस्टेशनरी आपरेशनल एनवायर्नमेंटल सैटेलाइट यू) को सफलतापूर्वक लॉन्च किया।

गोज-यू, राष्ट्रीय समुद्री और वायुमंडलीय प्रशासन (एनओएए) और नासा की गोज-आर उपग्रह श्रृंखला में चौथा और अंतिम है। इसे स्पेसएक्स के फाल्कन राकेट से शाम 5:26 बजे फ्लोरिडा के कैनेडी स्पेस सेंटर के भूस्थैतिक कक्षा के लिए रवाना किया गया। उपग्रह को भूस्थैतिक कक्षा तक पहुंचने में लगभग दो सप्ताह लगेंगे और पहुंचने के बाद इसका नाम बदलकर गोज-19 कर दिया जाएगा।

नासा ने एक्स पोस्ट में कहा है कि एनओएए का गोज-यू भूस्थैतिक कक्षा की ओर बढ़ रहा है, जहां यह पृथ्वी और अंतरिक्ष में मौसम के अध्ययन में सहायता करेगा। यह वायुमंडलीय गतिविधियों की माप, आकाशीय बिजली की रियलटाइम मैपिंग और मौसम संबंधी खतरों का पता लगाने के लिए सात उपकरणों से सुसज्जित है। पहली बार इसमें कॉम्पैक्ट कोरोनोग्राफ भी शामिल है, जो बड़े प्लाज्मा विस्फोटों के लिए सूर्य की सबसे बाहरी परत कोरोना का निरीक्षण करेगा, जो भू-चुंबकीय सौर तूफान पैदा कर सकता है। गोज-यू 35,700 किमी की ऊंचाई पर पृथ्वी की परिक्रमा करेगी।

इसे लेकर स्पेसएक्स ने कहा कि यह वास्तविक समय के उच्च-रिजॉल्यूशन इमेजरी, गंभीर मौसम का पहले से पता लगाने और ट्रॉपिकल साइक्लोन के पूर्वानुमान के साथ मौसम पूर्वानुमानकर्ताओं और जलवायु शोधकर्ताओं की सहायता करेगा। एनओएए और नासा मिलकर भूस्थैतिक कक्षा में अगली पीढ़ी के उपग्रहों को विकसित करने के लिए काम कर रहे हैं, जिन्हें जियोस्टेशनरी एक्सटेंडे ऑब्जर्वेशन कहा जाता है।

एक ही झटके से बदले मालदीव के सुर, चीन में भारत का गुणगान करते दिखे मालदीव के मंत्री

ष्र्ई-ईत्नेः मालदीव के व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद अपने पहले चीन यात्रा पर हैं, जहां वो भारत के साथ मालदीव के घनिष्ठ संबंधों की चर्चा करते दिखे हैं। बता दें कि मोहम्मद सईद का ये बयान उस वक्त आया है, जब हाल ही में मालदीव के राष्ट्रपति भारत दौरे से वापस लौटे हैं।

चीन की अपनी पहली यात्रा पर पहुंचे मालदीव के वरिष्ठ मंत्री ने राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू की हाल ही में भारत यात्रा और अपने देश की पर्यटन-निर्भर अर्थव्यवस्था के लिए भारत के महत्वतता के बारे में बात की है। दलियान में 15वें विश्व आर्थिक मंच में शामिल होने पहुंचे मालदीव के आर्थिक विकास और व्यापार मंत्री मोहम्मद सईद ने एक टीवी को दिए गए साक्षात्कार में कहा, कि राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने दोहराया कि भारत हमारा सबसे करीबी पड़ोसी बना हुआ है।

दलियान में डब्ल्यूईएफ में शामिल होने पहुंचे मालदीव के मंत्री ने कहा कि भारत और मालदीव के बीच लंबे समय से संबंध हैं। भारत हमारे लिए सबसे महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों में से एक है, खासकर अंतर्गामी पर्यटन के मामले में। वहीं मालदीव और भारत के बीच तनावपूर्ण संबंधों के बारे में पूछे गए एक सवाल का जवाब देते हुए उन्होंने कहा, मालदीव में भारत का बहुत निवेश है, खासकर पर्यटन क्षेत्र में। दरअसल, नई दिल्ली से स्वदेश लौटने पर राष्ट्रपति मुइज्जू ने प्रधानमंत्री मोदी के शपथ ग्रहण समारोह में भाग लेने के लिए भारत की अपनी आधिकारिक यात्रा को मालदीव के लिए महत्वपूर्ण सफलता बताया था। मोहम्मद मुइज्जू ने इस बात पर भी जोर दिया कि दोनों देशों के बीच मजबूत संबंध मालदीव और मालदीव के नागरिकों के लिए समृद्धि लाएंगे और उन्होंने भविष्य में सफल द्विपक्षीय संबंधों के लिए आशा व्यक्त की।

बता दें कि मोहम्मद सईद चीन की यात्रा करने वाले मालदीव के पहले मंत्री हैं, इससे पहले जनवरी में राष्ट्रपति मुइज्जू ने बीजिंग का दौरा किया था। यह दौरा सुर्खियों में रहा था क्योंकि यह भारत द्वारा उपहार में दिए गए दो हेलीकॉप्टर और एक डोर्नियर विमान का संचालन करने वाले 80 से अधिक भारतीय सैन्य कर्मियों को वापस बुलाने की उनकी मांग की पृष्ठभूमि में हुआ था।मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू जो चीन के समर्थक हैं, जिन्होने भारत विरोधी नारों के बीच सत्ता हासिल करने के बाद उनके देश को उस वक्त तगड़ा झटका लगा था, जब प्रधानमंत्री मोदी की तरफ से लक्षद्वीप द्वीप समूह की एक तस्वीर पोस्ट करने के बाद तीन अधिकारियों द्वारा की गई विवादास्पद टिप्पणी के बाद, कई मशहूर हस्तियों सहित कई भारतीयों ने क्ष्बायकॉटमालदीव अभियान चलाया, जिसका असर अभी भी जारी है।

पंजाब के करारी हार के संकट में बादल की कुर्सी ,बागियों ने पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा देने को कहा

चंडीगढ़ (ईएमएस)। शिरोमणि अकाली दल के वरिष्ठ नेताओं के एक गुट ने सुखबीर सिंह बादल के खिलाफ विद्रोह कर मांग की कि लोकसभा चुनावों में शिअद की हार के बाद उन्हें पार्टी प्रमुख के पद से इस्तीफा दे देना चाहिए। जालंधर में बैठक के बाद उन्होंने घोषणा की कि अगले महीने शिअद बचाओ आंदोलन शुरू होगा। बागी नेताओं की जालंधर में तब बैठक की जब शिअद प्रमुख बादल लोकसभा चुनावों में पार्टी के प्रदर्शन की समीक्षा के लिए चंडीगढ़ में जिला अध्यक्षों और अन्य नेताओं के साथ बैठक कर रहे थे। पार्टी ने बागी नेताओं को इस कमजोर करने के लिए भाजपा द्वारा प्रायोजित निराश तत्व कहा। दरअसल, इस साल आम चुनावों में शिअद को करारी हार का सामना करना पड़ा। बादल की पत्नी और पूर्व केंद्रीय मंत्री हरसिमरत कौर बादल ने बठिंडा सीट बरकरार रखी। शिअद के 10 उम्मीदवारों की जमानत जब्त हो गई, जबकि 2019 में उसका वोट प्रतिशत 27.45 प्रतिशत से घटकर 13.42 प्रतिशत रह गया। करीब पांच घंटे चली बैठक के बाद बागियों ने बादल से पार्टी अध्यक्ष पद से इस्तीफा देने को कह दिया। पूर्व अकाली सांसद चंदूमाजरा ने कहा कि उन्होंने पार्टी की पिछली गलतियों और कमियों पर विस्तृत चर्चा की, जिसके कारण पार्टी की वर्तमान स्थिति बनी है। उन्होंने पार्टी को पुनर्जीवित करने के तरीकों पर भी चर्चा की। उन्होंने कहा कि 1 जुलाई को अकाल तख्त पर पिछली गलतियों और कमियों के लिए माफी मांगने का फैसला किया गया है। इस संबंध में पत्र अकाल तख्त के कार्यालय को सौंपा जाएगा, जो सिखों की सर्वोच्च धार्मिक पीठ है। उन्होंने कहा कि उस दिन शिरोमणि अकाली दल बचाओ आंदोलन भी शुरू होगा। बैठक में पारित प्रस्ताव में कहा गया कि ऐसा महसूस हो रहा है कि शिरोमणि अकाली दल का नेतृत्व आम लोगों से जुड़ाव खो रहा है, जिसके कारण लोगों में निराशा है। शिरोमणि अकाली दल से दूर हो चुके लोगों को फिर से जोड़ने और उनका विश्वास हासिल करने के लिए शिरोमणि अकाली दल बचाओ लहर शुरू करने की जरूरत है।

नीट पेपर लीक में सीबीआई रिमांड पर चिंटू और मुकेश

पटना(ईएमएस)। नीट पेपर लीक मामले में सीबीआई दो आरोपियों से पूछताछ करेगी। इसमें चिंटू कुमार और मुकेश कुमार शामिल हैं। सीबीआई कोर्ट के स्पेशल जज हर्षवर्धन सिंह ने बुधवार सुबह दोनों को 3 दिन की रिमांड पर भेज दिया है।

आर्थिक अपराध अन्वेषण इकाई की टीम ने दोनों को 22 जून को नालंदा जिले के बिहार थाना क्षेत्र के मुरौरा गांव से गिरफ्तार किया था। उधर, कोलकाता पुलिस ने 25 जून की देर रात एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया। आरोप है कि इसने स्टूडेंट के पेरेंट्स से मेरिट लिस्ट में नाम जोड़ने और कॉलेज में मेडिकल सीट देने के लिए 5 से 12 लाख रुपए तक की रकम वसूली है। इस मामले में अब तक 5 राज्यों में 27 गिरफ्तारियां हो चुकी हैं।

उधर, सीबीआई की एक टीम हजारीबाग कल्लू चौक मंडई रोड स्थित ओएसिस स्कूल पहुंची। यहां टीम ने स्कूल के प्रिंसिपल से पूछताछ की। इसके बाद टीम हजारीबाग स्थित स्टेट बैंक भी पहुंची है जहां प्रश्न पत्र भेजे जाने को लेकर जांच की जा रही है।

सैम पित्रोदा को एक बार फिर इंडियन ओवर सीज कांग्रेस का अध्यक्ष नियुक्त किया गया

नई दिल्ली (ईएमएस)। सैम पित्रोदा एक बार फिर इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष नियुक्त किये गए हैं। बुधवार शाम कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने तुरंत प्रभाव से पित्रोदा की नियुक्ति को मंजूरी दी। इसकी जानकारी कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने दी। उन्होंने पत्र जारी करते हुए बताया कि कांग्रेस अध्यक्ष ने सैम पित्रोदा को तत्काल प्रभाव से इंडियन ओवरसीज कांग्रेस का पुनः अध्यक्ष नियुक्त किया है।

हाल ही में सैम पित्रोदा ने अपने विवादित बयानों के बाद इंडियन ओवरसीज कांग्रेस के अध्यक्ष पद से इस्तीफा दे दिया था। पित्रोदा अक्सर अपने बयानों को लेकर सुर्खियों में बने रहते हैं। लोकसभा चुनाव के दौरान अपने बयानों से उन्होंने कांग्रेस पार्टी के लिए कई मौकों पर मुश्किलें खड़ी की थी। बीते दिनों सैम पित्रोदा ने भारत की विविधता पर कहा था कि भारत के पूर्व में रहने वाले लोग चीनी लगते हैं, वहीं दक्षिण में रहने वाले लोग अफ्रीकी लगते हैं तो पश्चिमी भारत के लोग अरब के निवासियों जैसे लगते हैं। इसके साथ ही उन्होंने यह भी कहा था कि उत्तर भारतीय गोरे होते हैं, शायद वो गोरों जैसे दिखते हैं।

सैम पित्रोदा ने विरासत टैक्स पर भी बयान दिया था। चुनावी मौसम में इस मुद्दे पर पहले ही विवाद था। सैम पित्रोदा के बयान के बाद कांग्रेस को चौतरफा हमलों का सामना करना पड़ा था। कांग्रेस ने सैम पित्रोदा से किनारा तक कर लिया था। पार्टी का कहना था कि ऐसा नहीं है कि पित्रोदा के विचार हमेशा भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की स्थिति को दर्शाते हैं। कई बार उनके विचार कांग्रेस पार्टी के विचार नहीं होते हैं।

राहुल और अखिलेश ने कहा- हमें उम्मीदें कि आप विपक्षी दलों के सांसदों को पूरा सम्मान देंगे

नई दिल्ली (ईएमएस)। कांग्रेस सांसद और सदन में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने ओम बिरला को लगातार दूसरी बार लोकसभा स्पीकर बनने पर बधाई दी। इसके अलावा उन्होंने कहा कि मुझे भरोसा है कि आप हमें हमारी आवाज उठाएंगे। विपक्ष की आवाज को खत्म करना संवैधानिक नहीं है। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने कहा, मैं आपको पूरे विपक्ष और इंडिया ब्लॉक की ओर से बधाई देना चाहता हूं। यह 18वीं लोकसभा भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करेगी है, और आप उस आवाज के अंतिम निर्णायक हैं। केंद्र सरकार के पास राजनीतिक शक्ति है लेकिन विपक्ष भी भारत के लोगों की आवाज का प्रतिनिधित्व करता है। राहुल गांधी ने कहा कि विपक्ष आपके काम करने में आपकी सहायता करना चाहेगा। हम चाहते हैं कि सदन अच्छी तरह से काम करे। वहीं, अखिलेश यादव ने स्पीकर ओम बिरला से मुखातिब होकर कहा कि जिस पद पर आप बैठे हैं, इससे बहुत गौरवशाली परंपराएं जुड़ी हुई हैं और हम सब यही मानते हैं बिना भेदभाव के सदन आगे आगे बढ़ेगा। आप लोकसभा अध्यक्ष के रूप में हर दल और सांसद को बराबरी का मौका और सम्मान दे।

दो जुलाई को राहुल गांधी कोर्ट में तलब

गृहमंत्री के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने का मामला

सुल्तानपुर(ईएमएस)। गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी करने के मामले में कोर्ट ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी को बयान दर्ज करने के लिए तलब किया है। बुधवार को एमपी-एमएलए की विशेष कोर्ट के मजिस्ट्रेट शुभम वर्मा ने मामले में पक्षकार बनने के लिए दी गई अर्जी खारिज कर दी है। मामले में अगली सुनवाई दो जुलाई को होगी। जिला सहकारी बैंक के पूर्व चेयरमैन व भाजपा नेता विजय मिश्र ने चार अगस्त 2018 को कांग्रेस नेता राहुल गांधी के खिलाफ मानहानि का परिवाद दायर किया था। आरोप लगाया था कि राहुल गांधी ने 15 जुलाई 2018 को कर्नाटक की राजधानी बंगलुरू में गृहमंत्री अमित शाह के खिलाफ आपत्तिजनक टिप्पणी की थी।

27 नवबंर 2023 को कोर्ट ने राहुल गांधी को विचारण के लिए तलब किया था। बीते 20 फरवरी को राहुल गांधी ने कोर्ट में हाजिर होकर अपनी जमानत कराई थी। उसके बाद से उनके बयान दर्ज होने की कार्रवाई में मामला लंबित है। सात जून को कोतवाली नगर के घरहा कला डिहवा निवासी राम प्रताप ने कोर्ट में अर्जी देकर पक्षकार बनाए जाने की मांग की थी। इसका परिवादी भाजपा नेता विजय मिश्र के अधिवक्ता संतोष पांडेय ने विरोध किया। कहा कि,राहुल गांधी के अनुचित प्रभाव में मामले को विलंबित करने के लिए अर्जी दी गई है। बुधवार को कोर्ट ने सुनवाई के बाद अर्जी खारिज कर दी। अदालत ने राहुल गांधी को बयान दर्ज करने के लिए तलब करने का आदेश देते हुए अगली सुनवाई के लिए दो जुलाई की तिथि नियत कर दी है।

लोकसभा स्पीकर के चुनाव में दिखी राहुल गांधी की नेता प्रतिपक्ष वाली ताकत स्पीकर बिरला को पीएम के साथ आसन तक ले गए

नई दिल्ली (ईएमएस)। 18वीं लोकसभा की शुरुआत से ही कांग्रेस सांसद राहुल गांधी नए तेवर में दिखाई दे रहे हैं। आम चुनाव में कांग्रेस के अच्छे प्रदर्शन का क्रेडिट राहुल गांधी को मिल रहा है। लोकसभा में सबसे बड़ी विपक्षी पार्टी कांग्रेस ने राहुल गांधी को नेता प्रतिपक्ष बनाया है लोकसभा में नेता विपक्ष बनने के बाद राहुल गांधी की सदन में पूछ परख किस तरह बढ़ गई, इसकी एक बानगी बुधवार को लोकसभा स्पीकर के चुनाव के दौरान दिखाई दी। दरअसल बिरला को लोकसभा अध्यक्ष चुना गया है। प्रधानमंत्री नरेंद्र सहित सत्ताधारी एन डीए गठबंधन ने स्पीकर पोस्ट के लिए ओम बिरला के नाम का प्रस्ताव रखकर सर्वसम्मति से उन्हें चुनने की अपील की। पीएम मोदी के प्रस्ताव के बाद विपक्षी उम्मीदवार के.सुरेश ने नाम वापस लिया। इसके बाद बिरला फिर से निर्विरोध लोकसभा अध्यक्ष चुन लिए गए। इसके बाद संसदीय परंपरा के अनुसार लोकसभा के नवनिर्वाचित स्पीकर बिरला को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी उनके आसन तक ले गए। इस दौरान लोकसभामेंजो दृश्य दिखा, उससे राहुल गांधी की बढ़ हुई ताकत को दिखाता है। दरअसल पीएम मोदी जब बिरला को मंच पर खड़े थे, तब बतौर नेता विपक्ष भी उनके साथ ही मौजूद थे।

लोकसभा में पीएम मोदी ने स्पीकर बिरला से हाथ मिलाकर सबसे पहले अभिवादन किया। इस बीच राहुल गांधी भी वहां पहुंचते तब पीएम मोदी उन्हें भी आगे आने का संकेत देते हैं। इसके बाद राहुल गांधी आकर बिरला से हाथ मिलाते हैं और फिर वे उन्हें साथ लेकर स्पीकर के आसन तक ले जाते हैं। इस दौरान संसदीय कार्यमंत्री किरेन रीजीजू उनके पीछे-पीछे चल रहे थे। इसके बाद लोकसभा में स्पीकर के आसन पर पहुंचने के बाद पीएम मोदी ने एक फिर बिरला को शुभकामनाएं दीं। फिर राहुल गांधी ने भी नए स्पीकर को शुभकामनाएं दी और इसके बाद केंद्रीय मंत्री रीजीजू ने भी बिरला से हाथ मिलाया।

जम्मू-कश्मीर में तीन आतंकवादी मारे गए

श्रीनगर (ईएमएस)। जम्मू-कश्मीर के डोडा जिले के गंडोह इलाके में आतंकवादियों और सुरक्षा बलों के बीच भीषण मुठभेड़ में तीन आतंकवादी मारे गए। बताया जा रहा है कि ये आतंकवादी घाटी में सेना और पुलिस पर हाल ही में हुए हमलों में शामिल थे। मुठभेड़ स्थल से अमेरिका निर्मित एम4 कार्बाइन सहित भारी मात्रा में हथियार और गोला-बारूद बरामद किया गया है।

जम्मू-कश्मीर के अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक ने बताया कि पुलिस को तलाशी अभियान के दौरान तीन आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिली। पिछले सप्ताह डोडा और राजौरी, पुंछ क्षेत्रों में सिलसिलेवार आतंकवादी हमलों के बाद आतंकवादियों को खदेड़ने के लिए अभियान तेज कर दिए गए हैं।

पुणे में मिला जीका वायरस, डॉक्टर और उनकी बेटी पॉजिटिव निकले

-स्वास्थ्य विभाग में मचा हड़कंप, दोनों का अस्पताल में चल रहा इलाज

पुणे,(ईएमएस)। अभी कोरोना महामारी का ख्याल दिमाग से निकला भी नहीं है कि एक और वायरस ने लोगों की चिंताएं बढ़ा दी हैं। महाराष्ट्र के पुणे शहर में एक डॉक्टर और उनकी बेटी जी

जन हितैषी

163 वर्ष पुरानी ताजीरात-ए-हिंद के स्थान पर भारतीय न्याय संहिता

163 वर्ष पुराने अंग्रेजों के बनाए कानून ताजीरात-ए-हिंद अब इतिहास की वस्तु बन जायेगा। इसके स्थान पर 1 जुलाई 2024 से भारतीय न्याय संहिता लागू हो जाएगी। 1860 का अंग्रेजों का बनाया हुआ दंड संहिता का कानून लागू था। उसमें बहुत सारे शब्द उर्दू के थे। पुलिस जब भारतीय दंड संहिता के अंतर्गत कार्रवाई करती थी। वह भी सैकड़ों वर्ष पुरानी अंग्रेजों की बनाई व्यवस्था के अनुसार थी। भारतीय न्याय संहिता के नए कानूनों में उनके स्थान पर अब नए शब्द शामिल किए गए हैं। जो नए कानून 1 जुलाई 2024 से लागू हो रहे हैं। उसमें काफी परिवर्तन किए गए हैं। जिसके कारण पुलिस को प्रशिक्षित करने की जरूरत पड़ रही है। न्यायालय और अधिवक्ताओं को भी नए कानून के अनुसार सारी चीजों को समझाना पड़ रहा है। आने वाले दिनों में नए कानून होने के कारण वादी, प्रतिवादी, पुलिस, जांच एजेंसियों, अधिवक्ताओं और न्यायालयों को नए कानून और उसकी प्रक्रिया को समझने में काफी वक्त लगेगा। इसका असर कहीं ना कहीं न्यायालयीन कार्रवाई पर पडना तय है। अधिवक्ताओं के अनुसार हत्या, दुष्कर्म, चोरी, मानहानि, 420 और मोटर व्हीकल एक्ट जैसे मामलों की धाराओं में परिवर्तन किया गया है। आजादी के पूर्व भारतीय दंड विधान बन चुका था। समय-समय पर इस पर संशोधन भी होते रहे हैं। फिर भी कुछ कारणों से भारतीय दंड संहिता में कहीं ना कहीं गुलामी जैसे शब्द भी देखने को मिलते थे। न्यायालयीन प्रक्रिया में अंग्रेजी शासन जैसी छाप भी देखने को मिलती थी। जिससे गुलामी का आभास होता था। 163 वर्षों में भारतीय दंड संहिता में लगभग 75 संशोधन किए गए थे। इसमें अधिकांश संशोधन आजादी के बाद हुए थे। पिछले दो-तीन दशकों में तेजी के साथ हुए विकास क्रम में नए-नए कानून का निर्माण करना पड़ है। डिजिटल तकनीक का उपयोग भी कानून व्यवस्था को बनाए रखने के लिए होने लगा है। संचार माध्यमों की भी एक नई भूमिका न्यायालय एवं जांच व्यवस्था में आ गई है। इन्हें एक स्वरूप में लाना चुनौतीपूर्ण कार्य था। मोदी सरकार ने भारतीय न्याय संहिता में इसका समावेश करने का प्रयास किया है। समय-समय पर इस तरीके के संशोधन करना समय की मांग होती है। भारतीय न्याय संहिता का पहला उद्देश्य पीड़ित नागरिक को न्याय दिलाना, मुख्य उद्देश्य होता है। भारतीय दंड संहिता में पहले 511 धाराएं थी। भारतीय न्याय संहिता में अब 358 धाराएं रह गई हैं। 20 नए अपराध भारतीय न्याय संहिता में जोड़े गए हैं। भारतीय दंड संहिता के 19 प्रावधानों को हटाया गया है। 33 अपराधों की सजा बढ़ाई गई है। 83 अपराधों में जुरमाने की सजा को भी बढ़ाया गया है। 23 तरह के अपराधों में सामुदायिक सजा का प्रावधान किया गया है। राजद्रोह का नाम बदला गया है। पुलिस के अधिकार बढ़ाए गए हैं। नागरिकों को सुलभ न्याय मिले इसके प्रावधान किए गए हैं। न्यायालय से जल्दी मामलों का निपटारा हो,इसका भी नए कानूनो में ध्यान रखा गया है। तीन नए कानून में भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता तथा भारतीय साक्ष्य अधिनियम में नए प्रावधान किए गए हैं। नए कानून लागू होने के पहले ही इनका विरोध होना शुरू हो गया है। मोटर परिवहन एक्ट में जिस तरह के बदलाव किए गए हैं, उसके बाद सड़क पर गाड़ी चलाना वाहन चालकों के लिए बहुत मुश्किल होगा। पुलिस अभी किसी आरोपी को अपनी हिरासत में लेती थी। उसे 24 घंटे के अंदर मजिस्ट्रेट के पास पेश करना होता था। इस अवधि को बढ़ा दिया गया है। जिसके कारण पुलिस को हिरासत में रखने के अधिक अधिकार मिल गए हैं। इस प्रावधान के कारण नागरिकों का उत्पीड़न भी हो सकता है। वहीं कुछ कानून कड़े कर दिए गए हैं। पुलिस बिना किसी सबूत, केवल आरोप के आधार पर आरोपी को गिरफ्तार करके जेल भेज सकती है। कुछ मामलों में अदालत के अधिकार भी सीमित किए गए हैं। भारतीय न्याय संहिता जब संसद से स्वीकृत हुईं थी। उस समय संसद में गुण- दोष के आधार पर चर्चा नहीं हुईं। जल्दबाजी में यह कानून, संसद से पास कर दिए गए थे। अब नई संसद का गठन हो चुका है। विपक्ष इस बार पिछली बार की तुलना में ज्यादा मजबूत होकर सदन में आया है। 1 जुलाई को जब यह कानून लागू होंगे। उसके बाद इन कानून की सदन पर भी चर्चा हो सकती है। मोटर व्हीकल एक्ट को लेकर संशोधन की आवश्यकता कानून लागू होने के पहले ही बन गई थी। आशा की जाती है, जल्द से जल्द भारतीय न्याय संहिता में जो प्रावधान किए गए हैं। उन्हें और भी न्यायोचित और युक्तिसंगत बनाया जाना चाहिए। नागरिकों के मौलिक अधिकार संरक्षित हों। पुलिस की दखलंदाजी कम से कम हो। नागरिकों को न्याय जल्द से जल्द मिले।

वायु प्रदूषण से होती लाखों मौतों के लिये कौन जिम्मेदार?

कहते हैं जान है तो जहान है, लेकिन भारत में बढ़ते प्रदूषण के कारण जान और जहान दोनों ही खतरे में हैं। देश की हवा में घुलते प्रदूषण का 'जहर' अनेक बार खतरनाक स्थिति में पहुंच जाना चिन्ता का बड़ा कारण हैं। प्रदूषण की अनेक बंदिशों एवं हिदायतों के बावजूद प्रदूषण नियंत्रण की बात खोखली साबित हो रही है। यह कैसा समाज है जहां व्यक्ति के लिए पर्यावरण, अपना स्वास्थ्य या दूसरों की सुविधा-असुविधा का कोई अर्थ नहीं है। जीवन-शैली ऐसी बन गयी है कि आदमी जीने के लिये सब कुछ करने लगा पर खुद जीने का अर्थ ही भूल गया, इस गंभीर होती स्थिति को यूनिसेफ और अमेरिका के स्वतंत्र अनुसंधान संस्थान 'हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीटयूट' की साझेदारी में जारी रिपोर्ट ने बयां किया है, इस रिपोर्ट के आंकड़े परेशान एवं शर्मसार करने के साथ चिन्ता में डालने वाले हैं, जिसमें वर्ष 2021 में वायु प्रदूषण से 21 लाख भारतीयों के मरने की बात कही गई है। ज्यादा दुख की बात यह है कि मरने वालों में 1.69 लाख बच्चे हैं, जिन्होंने अभी दुनिया ठीक से देखी ही नहीं थी। निश्चय ही ये आंकड़े जहां व्यथित, चिन्तीत व परेशान करने वाले हैं। वहीं सरकार के नीति-नियंताओं के लिये यह शर्म का विषय होना चाहिए, लेकिन उन्हें शर्म आती ही कहा है? तनिक भी शर्म आती तो सरकारें एवं उनके कर्ता-धर्ता इस दिशा में गंभीर प्रयास करते। सरकार की नाकामयियां ही हैं कि जिन्दगी विषमताओं और विसंगतियों से घिरी होकर उसे कहीं से रोशनी की उम्मीद दिखाई नहीं दे रही है।

जानलेवा वायु प्रदूषण न केवल भारत के लिये बल्कि दुनिया के लिये एक गंभीर समस्या है। चीन में भी इसी कालखंड में 23 लाख लोग वायु प्रदूषण से मरे हैं। जहां तक पूरी दुनिया में इस वर्ष मरने वालों की कुल संख्या का प्रश्न है तो यह करीब 81 लाख बतायी जाती है। चिंता की बात यह है कि भारत व चीन में वायु प्रदूषण से मरने वालों की कुल संख्या के मामले में यह आंकड़ा वैश्विक स्तर पर 54 फीसदी है। जो हमारे तंत्र की विफलता, गरीबी और प्रदूषण नियंत्रण में शासन-प्रशासन की कोताही एवं लापरवाही को ही दर्शाता है। इसमें आम आदमी की लापरवाही भी कम नहीं है। आम आदमी को पता ही नहीं होता है कि किन प्रमुख कारणों से वह प्रदूषण फैला रहा है और किस तरह वे इस जानलेवा प्रदूषण को नियंत्रित करने में सहयोगी हो सकते हैं। प्रश्न है कि आम आदमी एवं उसकी जीवनशैली वायु प्रदूषण को इतना बेपरवाह होकर क्यों फैलाती है? क्यों आदमी मृत्यु से नहीं डर रहा है? क्यों भयभीत नहीं है? देश की जनता दुख, दर्द और संवेदनहीनता के जटिल दौर से रूबरू है, प्रदूषण जैसी समस्याएं नये-नये मुखौटे ओढ़कर डराती है, भयभीत करती है। विडम्बना तो यह है कि विभिन्न राज्यों की सरकारें इस विकट होती समस्या का हल निकालने की बजाय राजनीतिक आरोप-प्रत्यारोप करती है, जानबूझकर प्रदूषण फैलाती है ताकि एक-दूसरे की छीछालेदर कर सके। प्रदूषण के नाम पर भी कोरी राजनीति का होना दुर्भाग्यपूर्ण है।

दिल्ली सहित उत्तर भारत के ज्यादातर इलाकों में प्रदूषण का बेहद खतरनाक स्थिति में बना रहना चिन्ता में डालता है। हालत ये बनते हैं कि कभी-कभी सांस लेना मुश्किल हो जाता है और लोगों को घरों में ही रहने को मजबूर होना पड़ता है। दिल्ली, नोएडा, गाजियाबाद, फरीदाबाद, गुरुग्राम में प्रदूषण का बड़ा कारण पड़ोसी राज्यों से आने वाला पराली का धुआं होता है। पराली के बाद पटाखों का धुआं भी बड़ी समस्या है, इसके अलावा सड़कों पर लगातार बढ़ते निजी वाहन, गुणवत्ता के ईंधन का उपयोग न होना, निर्माण कार्य खुले में होना, उद्योगों की घातक गैसों व धुएं का नियमन न होने एवं बढ़ता धूम्रपान जैसे अनेक कारण वायु प्रदूषण बढ़ाने वाले हैं। वहीं दूसरी ओर आवासीय कॉलोनियों व व्यावसायिक संस्थानों का विज्ञानसम्मत ढंग से निर्माण न हो पाना भी प्रदूषण बढ़ाने की एक वजह है। यह कैसी शासन-व्यवस्था है? यह कैसा अदालतों की अवमानना का मामला है? यह सभ्यता की निचली सीढ़ी है, जहां तनाव-ठहराव की स्थितियों के बीच हर व्यक्ति, शासन-प्रशासन प्रदूषण नियंत्रण के अपने दायित्वों से दूर होता जा रहा है।

यूनीसेफ की रिपोर्ट में वायु प्रदूषण से 1 लाख 69 हजार बच्चे जिनकी औसत आयु पांच साल से कम बतायी गई है, मौत के शिकार होते हैं। जानलेवा प्रदूषण का प्रभाव गर्भवती महिलाओं पर होने से बच्चे समय से पहले जन्म ले लेते हैं, इनका समुचित शारीरिक विकास सही ढ़ंग से नहीं हो पाता। इससे बच्चों का कम वजन का पैदा होना, अस्थमा तथा फेफड़ों की बीमारियां से पीड़ित होना हैं। हमारे लिये चिंता की बात यह है कि बेहद गरीब मुल्कों नाइजीरिया, पाकिस्तान, बांग्लादेश, इथोपिया से ज्यादा बच्चे हमारे देश में वायु प्रदूषण से मर रहे हैं। विडंबना यह है कि ग्लोबल वार्मिंग तथा जलवायु परिवर्तन के संकट ने वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों की संख्या को बढ़ाया ही है। एक अरब चालीस करोड़ जनसंख्या वाले देश भारत के लिये यह संकट बहुत बड़ा है। दिल्ली सहित देश के कई महानगरों में प्रदूषण जीवन का अभिन्न हिस्सा बन गयी है। हर कुछ समय बाद अलग-अलग वजहों से हवा की गुणवत्ता का स्तर 'बेहद खराब' की श्रेणी में दर्ज किया जाता है और सरकार की ओर से इस स्थिति में सुधार के लिए कई तरह के उपाय करने की घोषणा की जाती है। हो सकता है कि ऐसा होता भी हो, लेकिन सच यह है कि फिर कुछ समय बाद प्रदूषण का स्तर गहराने के साथ यह सवाल खड़ा होता है कि आखिर इसकी असली जड़ क्या है और क्या सरकार की कोशिशें सही दिशा में हो पा रही है? इस विकट समस्या से मुक्ति के लिये ठोस कदम उठाने होंगे। सिर्फ दिल्ली ही नहीं, देश के कई शहर वायु प्रदूषण की गंभीर मार झेलते हैं। इसका पता तब ज्यादा चलता है जब वैश्विक पर्यावरण संस्थान अपने वायु प्रदूषण सूचकांक में शहरों की स्थिति को बताते हैं। पिछले कई सालों से दुनिया के पहले बीस प्रदूषित शहरों में भारत के कई शहर दर्ज होते रहे हैं। जाहिर है, हम वायु प्रदूषण के दिनोंदिन गहराते संकट से निपट पाने में तो कामयाब हो नहीं पा रहे, बल्कि जानते-बूझते ऐसे काम करने में जरा नहीं हिचकिचा रहे जो हवा को जहरीला बना रहे हैं।

चिंता की बात यह है कि दक्षिण एशिया में मृत्यु दर का सबसे बड़ा कारण वायु प्रदूषण ही है। उसके बाद उच्च रक्तचाप, कुपोषण तथा तंबाकू सेवन से होने वाली मौतों का नंबर आता है। दरअसल, गरीबी और आर्थिक असमानता के चलते बड़ी आबादी येन-केन- प्रकारेण जीविका उपार्जन में लगी रहती है, उसकी प्राथमिकता प्रदूषण से बचाव के बजाय रोटी ही है। वहीं ढुलमुल कानूनों, तंत्र की काहिली तथा जागरूकता के अभाव में वायु प्रदूषण रोकने की गंभीर पहल नहीं हो पाती। मुश्किल यह है कि वायुमंडल के घनीभूत होने की वजह से जमीन से उठने वाली धूल, पराली की धुंध और वाहनों से निकलने वाले धुएं के छंटने की गुंजाइश नहीं बन पाती है। नतीजन, वायु में सूक्ष्म जहरीले तत्व घुलने लगते हैं और प्रदूषण के गहराने की दृष्टि से इसे खतरनाक माना जाता है। हमारा राष्ट्र एवं दिल्ली सहित अन्य राज्यों की सरकारें नैतिक, आर्थिक, राजनैतिक और सामाजिक एवं व्यक्तिगत सभी क्षेत्रों में मनोबल के दिवालिएपन के कगार पर खड़ी है। और हमारा नेतृत्व गौरवशाली परम्परा, विकास और हर प्रदूषण खतरों से मुकाबला करने के लिए तैयार है, का नारा देकर अपनी नेकनीयत का बखान करते रहते हैं। पर उनकी नेकनीयती की वास्तविकता किसी से भी छिपी नहीं है, देश में वायु प्रदूषण से होने वाली मौतों के हेल्थ इफेक्ट्स इंस्टीटयूट के आंकड़े इस वास्तविकता को उजागर करते हुए प्रदूषण की समस्या का कोई दीर्घकालिक और ठोस हल निकालने के लिये चेता रहे हैं। (लेखक- ललित गर्ग/ईएमएस)

उपलब्धि : योग दिवस पर एक ही दिन में बने कई विश्व रिकॉर्ड

योग का भारत में संस्कृति के साथ सदियों पुराना जुड़ाव है बल्कि यूं भी कह सकते हैं कि भारत में योग की शुरूआत भारतीय संस्कृति के साथ ही जुड़ी है। भारत ने पूरी दुनिया को योग करना सिखाया है और भारत के कारण ही दुनिया के तमाम देश अब योग की महत्ता को समझने लगे हैं। करीब 5000 वर्ष पहले भारत से शुरू हुई योग की परंपरा शरीर और मन के बीच सामंजस्यपूर्ण संतुलन प्राप्त करने के लिए शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक अनुशासन को जोड़ती है। 'योग' शब्द संस्कृत से लिया गया है, जिसका अर्थ है 'जुड़ना' अथवा 'एकजुट होना', जो शरीर और चेतना के मिलन का प्रतीक है। भारत की प्राचीन परंपराओं में गहराई से निहित योग वैश्विक स्तर पर स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण के प्रतीक के रूप में कार्य करता है। 11 दिसंबर 2014 को संयुक्त राष्ट्र महासभा में योग को वैश्विक मान्यता मिलने के बाद से पिछले 10 वर्षों में योग दिवस पर कई रिकॉर्ड बने हैं।

2015 से लेकर अब तक अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के नाम कई रिकॉर्ड 'गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स' में दर्ज हो चुके हैं। 2015 में पहले अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर दिल्ली में राजपथ पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ कुल 35985 भारतीयों ने एक साथ योग करके सबसे बड़े योग सत्र का पहला विश्व रिकॉर्ड बनाया था जबकि दूसरा रिकॉर्ड एक ही स्थान पर योग सत्र में कुल 84 देशों के भाग लेने पर बना था। योग को लेकर एक विश्व रिकॉर्ड तब बना था, जब 2018 में राजस्थान के कोटा में करीब 1.05 लाख लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया था। 2023 में दुनियाभर से कुल 23.4 करोड़ लोगों ने अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम में भाग लेकर भी विश्व रिकॉर्ड कायम किया था, वहीं 2023 में ही गुजरात के सूरत में योग दिवस कार्यक्रम में योग सत्र में 1.53 लाख लोगों ने एक साथ हिस्सा लेकर नया गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाया था। उस योग कार्यक्रम के लिए करीब 300 मीटर चौड़ी दो सड़कों के 4 किलोमीटर लंबे हिस्से को योग प्रतिभागियों कालीन से ढ़का गया था। उससे पहले यह रिकॉर्ड 2018 में राजस्थान के कोटा शहर के नाम दर्ज था, जहां योग सत्र में करीब एक लाख लोग जुटे थे।

अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस पर इस वर्ष तो कई रिकॉर्ड बने। देश-विदेश में फैली आध्यात्मिक संस्था ब्रह्माकुमारीज ने भी इस अवसर पर एक नया रिकॉर्ड कायम किया। ब्रह्माकुमारीज के आबूरोड़ स्थित अंतर्राष्ट्रीय मुख्यालय के साथ 140 देशों में फैले इसके 9000 केंद्रों पर करीब एक करोड़ लोगों ने एक साथ योग किया जबकि आबूरोड़ स्थित मुख्यालय पर 10 हजार लोगों ने एक साथ योगाभ्यास किया। वहीं, हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के दूरदर्शी नेतृत्व में तो अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर एक नया इतिहास रचा गया। 'अक्षर योग केंद्र' ने 5 विशिष्ट योगासनों का वैश्विक मानकों पर सफलतापूर्वक प्रदर्शन करके 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाए और 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग महोत्सव कार्यक्रमों की श्रृंखला में आयोजित इस स्पर्धा के जरिये योग की सार्वभौमिक अपील यानी शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक कल्याण के लिए इसके गहन लाभों का संदेश पूरी दुनिया देने का प्रयास किया गया। इन पांच वैश्विक कीर्तिमान स्थापित करने वाले आसनों में नौकासन, कौंडिन्य आसन (ऋषि कौंडिन्य मुद्रा), चक्रासन, भगवान शिव की एक मुद्रा नटराजासन, पांच मिनट तक लगातार सूर्य नमस्कार का सफलतापूर्वक प्रदर्शन किया गया।

हालांकि अक्षर योग केंद्र ने त्रिपुरा वासिनी, पैलेस ग्राउंड, बेंगलुरु में प्रभावशाली वैश्विक भागीदारी में सांस्कृतिक और भौगोलिक सीमाओं को पार करने की योग की क्षमता को प्रदर्शित करते हुए कुल सात आसनों के लिए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड के लिए प्रयास किया था लेकिन गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स की अंतर्राष्ट्रीय टीम ने सभी मानकों का अध्ययन करने के बाद इनमें से पांच आसनों में रिकॉर्डों को मान्यता प्रदान की जबकि दो आसनों पर रिकॉर्ड की मान्यता अभी समीक्षाधीन है, जिन्हें विचार के लिए लंदन भेजा जाएगा। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के वरिष्ठ निर्णायक स्वप्निल डांगरीकर और ऋषिनाथ के मुताबिक 5 रिकॉर्ड सफलतापूर्वक पूरे किए गए थे। इसकी पुष्टि करते हुए स्वप्निल डांगरीकर का कहना था, ''मुझे यह कहते हुए खुशी हो रही है कि टीम अक्षर योग केंद्र ने सफलतापूर्वक 5 नए गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड खिताब स्थापित किए हैं और मुझे याद नहीं आता कि मैंने एक ही दिन में इतने सारे गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के प्रमाणपत्र दिए हैं।''

अक्षर योग केंद्र द्वारा ये विश्व रिकार्ड बनाने के लिए आयोजित कार्यक्रम में सभी क्षेत्रों से प्रतिभागियों ने हिस्सा लिया था, जिनमें छात्र, अनाथालयों के बच्चे, व्यापारिक समुदाय के सदस्य और कॉरपोरेट घराने भी शामिल थे। इसमें भाग लेने वाले एनसीसी ग्रुप 'ए' बेंगलुरू के 1200 से अधिक एनसीसी कैडेटों का भी विशेष योगदान रहा। उनके साथ उप महानिदेशक, एनसीसी डीटीई कर्नाटक और गोवा, ग्रुप कमांडर, एनसीसी ग्रुप मुख्यालय 'ए' बेंगलुरु, कमांडिंग ऑफिसर, एसोसिएट एनसीसी अधिकारी, ग्रुप 'ए' एनसीसी बटालियन के स्थायी प्रशिक्षक भी इस भव्य आयोजन का हिस्सा थे। इस गरिमामय समारोह में 20 से अधिक विभिन्न देशों के प्रतिभागी शामिल हुए थे। हिमालयन सिद्ध योग गुरु अक्षर के अनुसार योग दिवस के मौके पर ये रिकॉर्ड बनाने का उद्देश्य वैश्विक स्तर पर योग के असंख्य लाभों के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दुनियाभर के लोगों को समग्र स्वास्थ्य और आंतरिक शांति के लिए इस अभ्यास को एकीकृत करने के लिए प्रोत्साहित करना है। हिमालयन सिद्ध अक्षर के नेतृत्व में इस अवसर पर योग के गहन प्रभावों पर भी प्रकाश डाला गया, साथ ही समर्पित अभ्यास के माध्यम से अनुशासन का प्रदर्शन किया गया।

उल्लेखनीय है कि शारीरिक स्वास्थ्य, मानसिक स्पष्टता और आध्यात्मिक विकास को बढ़ावा देने के लिए समर्पित अक्षर योग केंद्र इसके विविध लाभों को प्रदर्शित करने के लिए नियमित रूप से फिटनेस शिविर, मुद्रा कार्यशालाएं और ध्यान सत्र आयोजित करता है। हिमालयन सिद्ध अक्षर अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रशंसित एक आध्यात्मिक योग गुरु हैं, जो अक्षर योग केंद्र के संस्थापक, अध्यक्ष, पाठयक्रम निदेशक, विश्व योग संगठन के अध्यक्ष तथा अंतरराष्ट्रीय सिद्ध फाउंडेशन के अध्यक्ष हैं। योग गुरु अक्षर का कहना है कि योग शरीर, मन और आत्मा का एक अभिन्न अंग है। योग इन तत्वों को एकजुट करता है और मानवता के लिए एक अनमोल उपहार के रूप में कार्य करता है। एक साथ पांच विश्व रिकॉर्ड कायम करने की उपलब्धि को लेकर उनका कहना है कि यह अविस्मरणीय घटना वास्तव में लोगों के लिए एक आशीर्वाद है, जो उन्हें योग के अभ्यास को अपनाने के लिए प्रेरित करती है। यह दुनियाभर में एक शक्तिशाली संदेश भेजती है, जिससे हर किसी को योग के गहन महत्व और इसके लाभों का अहसास होता है। इसके अलावा यह उपलब्धि हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को उजागर करती है, साथ ही समग्र स्वास्थ्य और आध्यात्मिक कल्याण को बढ़ावा देने में वैश्विक नेता के रूप में भारत की स्थिति को भी मजबूत करती है।

अक्षर योग केंद्र द्वारा एक साथ बनाए गए पांच विश्व रिकॉर्ड के अलावा एशियन योग चैंपियनशिप की स्वर्ण पदक विजेता 20 वर्षीया भूमि तिवारी ने भी जश्न-ए-आजादी ट्रस्ट और भारतीय आदर्श योग संस्थान के संयुक्त तत्वाधान में मोती महल के लॉन में आयोजित 10वें अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस कार्यक्रम के दौरान 'रामदूत आसन' की मुद्रा को निरंतर 35 मिनट और 27 सैकेंड तक बनाए रखते हुए नया कीर्तिमान स्थापित किया। भूमि के मुताबिक 'रामदूत आसन' में पैरों को विपरीत दिशाओं में सबसे ज्यादा फैलाना और फिर सामने वाले पैर की उंगलियों को छूने के लिए झुकना होता है और यह सबसे कठिन, 'डी' श्रेणी का आसन है, जिसे राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय चैंपियनशिप में 0.9 अंक प्राप्त हुआ है। भूमि तिवारी द्वारा बनाए गए इस नए रिकॉर्ड की सूचना 'योगासन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड काउंसिल' को दी गई है। (लेखक-योगेश कुमार गोयल/ईएमएस) (लेखक 34 वर्षों से पत्रकारिता में निरंतर सक्रिय वरिष्ठ पत्रकार हैं)

वृक्षारोपण बहूत ज़रूरी है

वृक्ष आपको चैन की सांस दे सकता है। चूँकि वन हमारी भूमि के फेफड़े हैं। पेड़ हानिकारक गैसों को अवशोषित करते हैं और ऑक्सीजन उत्सर्जित करते हैं। अधिक वृक्षारोपणऑक्सीजन के स्तर को बढ़ाने में मदद कर सकता है वृक्षों ने हमें जीवन की सबसे महत्वपूर्ण चीजें खाना और ऑक्सीजन दिया है। न सिर्फ यह दो चीज बल्कि वृक्षों के कारण ही हमें रहने को घर, दवाइयाँ, और कई प्रकार के अन्य औज़ार प्राप्त होते हैं। आज विश्व भर में बढ़ते जनसंख्या के कारण और लोगों द्वारा पेड़ो को काटने के कारण आज पेड़ो की आवश्यकता बढ़ते चले जा रही है। इस आधुनिक युग के जीवन काल के कारण मनुष्य पेड़ो को बहुत तेज़ी से काट रहे हैं जिसके कारण आने वाले कुछ वर्षों में मनुष्य को बहुत सारे कठिनाइयों से गुज़रना पड़ सकता है। पेड़-पौधे हर समाज के लिए एक महत्वपूर्ण हिस्सा होते हैं। हमारे आस-पास के जगहों जैसे गलियों, पार्क, खेल के मैदान, और बगीचे में पेड़ पौधे स्वच्छ वायु प्रदान करते हैं और वातावरण को हरा-भरा और शांत रखते हैं। वृक्षों से आस-पास का वातावरण सुन्दर और स्वच्छ रहता है जिससे जीवन जीने का स्तर बढ़ जाता है। पेड़-पौधों की छाव में अपने परिवार के साथ बैठ कर समय बिताने का एक अलग ही आनंद होता है। साथ ही शहरी क्षेत्रों में सड़क के दोनों तरफ पेड़ पौधे लगाने से सूरज की किरण को पेड़ रोकते हैं जिससे गर्मी के महीनों में शहर का तापमान ज्यादा नहीं बढ़ पाता है। पेड़-पौधें मनुष्य को स्वच्छ वायु और ऑक्सीजन प्रदान करते हैं, साथ ही जलवायु सुधार, जल संरक्षण, मिट्टी के संरक्षण, और वन्य जीवन की सुरक्षा करते है। प्रकाश संश्लेषण या फोटोसिंथेसिस प्रोसेस के दौरान पेड़ पौधे कार्बन डाइऑक्साइड ले लेते हैं और ऑक्सीजन को छोड़ते हैं। यही ऑक्सीजन मनुष्य को सांस लेने और जीवित रहने में मदद करता है। अमेरिका के कृषि अनुसंधान विभाग का कहना है की एक एकड़ जंगल से लगभग 6 टन कार्बन डाइऑक्साइड खत्म होता है और 4 टन ऑक्सीजन वायु को पेड़ो के माध्यम से प्राप्त होता है। इतने ऑक्सीजन से 18 से 20 लोग आराम से 1 वर्ष तक जीवित रह सकते हैं। साथ ही पेड़ पौधे, गाड़ियों और कारखानों से उत्पत्ति होने वाले कार्बन डाइऑक्साइड गैस को भी खींच लेते हैं और ऑक्सीजन में बदल देते हैं। गर्मी के महीनों में लंबे वृक्ष सूरज की तपती किरण को धरती तक पहुंचने से रोकते है जिससे धरती का तापमान ज्यादा नहीं बढ़ पाता है। बारिश के महीने में पेड़-पौधे के जड़ मजबूती से मिट्टी को पकड़ कर रखते हैं इससे मृदा अपरदन नहीं हो पाता है। ना सिर्फ धरती के ऊपर बल्कि धरती के अंदर के पानी को भी पेड़ पौधों के जड़ पकड़ कर रखते हैं जिससे बाढ़ जैसी प्राकृतिक आपदा नहीं हो पाती है। प्रति वर्ष कई टन पत्ते पेड़ों से गिरते हैं जिनसे अगर हम चाहें तो प्राकृतिक खाद बना सकते हैं। कई जीव-जंतु जैसे बकरी, हाथी, कोआला, बंदर, जिराफ आदि अपना पूरा जीवन पेड़ पौधों के पत्ते खाकर गुजारते हैं। कई लाख प्रजाति के पक्षी पेड़-पौधों पर रहते हैं। हर कोई व्यक्ति पेड़ पौधों को इसलिए पसंद करते हैं क्योंकि पेड़ पौधे देखने में बहुत ही सुंदर और अद्भुत होते हैं। सभी पेड़ पौधे देखने में सुंदर और अपनी जगह एक अलग ही रूप रंग और आकार के होते हैं। हमारे देश भारत में वृक्षों की पूजा की जाती है और उन्हें भगवान का दर्जा दिया जाता है। कुछ महत्वपूर्ण पेड़ पौधे जैसे बरगद, पीपल, आम, बेल, केला कुछ आसान उदाहरण है जिनका हमारे देश में बहुत ही अधिक आध्यात्मिक मूल्य है। पेड़ पौधे हमारे जीवन और पर्यावरण में एक शांत और आरामदायक वातावरण को बनाये रखते हैं। आज के इस आधुनिक युग में जब हर जगह नए शहर बन रहे हैं और घर बन रहे हैं ऐसे में पेड़ पौधों का व्यावसायिक मूल्य बहुत ही अधिक हो चुका है। आज भी विश्व के कई हिस्सों मैं लकड़ी को खाना पकाने के रूप में सबसे पहला ईंधन माना जाता है। पेड़ से हमारा घर बनता है, फर्नीचर मिलता है, कई प्रकार के औजार बनते हैं पर लाखों छोटे-मोटे उपयोगी घरेलू चीजें बनती है। पेड़ पौधों से हमें खाने के लिए फल, बादाम भी मिलते हैं जो इसका सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा होता है। कुछ पेड़ो के अंदरुनी भाग से लैटेक्स प्राप्त होता है जिससे रबर बनाया जाता है। इसे लाखों महत्वपूर्ण रोज़ के कार्य हैं जो पेड़-पौधों के बिना असंभव हैं। आज मनुष्य स्वयं के स्वार्थ के लिए पेड़ो को तेजी से कटता चले जा रहा है। अत्यधिक पेड़ काट देने के कारण ग्लोबल वार्मिंग, एसिड बारिश और ग्रीन हाउस इफ़ेक्ट जैसे मुश्किलों का सामना मनुष्य को करना पड़ रहा है। आज पर्यावरण का संतुलन बनाए रखने के लिए पेड़-पौधों को बचाना बहुत ही आवश्यक हो गया है। धीरे-धीरे पूरे विश्व भर की जनसंख्या बढ़ती चली जा रही है जिसके कारण लोगों को रहने के लिए नए घर बनाने पढ़ रहे हैं और इसी कारण पेड़ो को बहुत तेजी से काटा जा रहा है। कई जगहों पर बड़े-बड़े कल कारखाने बनाने के लिए लोग बड़े-बड़े जंगलों को साफ कर रहे हैं जो की आने वाले समय में कई प्रकार के प्राकृतिक आपदाओं का कारण बन सकता है। शहरी इलाकों में पेड़ो की कमी के कारण गाड़ियों से निकलने वाला प्रदूषित वायु आसमान में ही मंडराता रहता है। सोचने की बात यह है कि कहीं कोई ऐसा दिन ना आ जाए जिससे मनुष्य को ऑक्सीजन की कमी होने लगे क्योंकि पेड़ पौधे ही पर्यावरण से कार्बन डाइऑक्साइड को लेकर हमें ऑक्सीजन देते हैं। अगर कोई एसा दिन आया तो वह मनुष्य का अंत होगा और उसका कारण मनुष्य द्वारा फैलाया हुआ प्रदुषण और पेड़ों की कटाई होगा।

कबीर दास का दोहा है- वृक्ष कबहुं न फल भखै, नदी न संचय नीर, परमार्थ के कारने साधु न धरा श्ुहुष्ठ जिसका अर्थ है कि साधु का स्वभाव परोपकारी होता है, जैसे वृक्ष कभी अपना फल स्वयं नहीं खाता है और नदी जिस प्रकार से स्वयं के नीर का संचय नहीं करती है।ऐसे दिन को कभी भी ना आने देने के लिए आज हम सभी को यह प्रण लेना होगा कि हम किसी को भी पेड़ काटने नहीं देंगे और प्रति महीने एक पौधा अपने मोहल्ले में ज़रूर लगाएंगे। (लेखक - -संजय गोस्वामी/ईएमएस)

शब्द पहेली - 8050

बाएँ से दाएँ

1.लाचार,बेबस-3
3.प्राण,जान-3
5.दुर्ग,फोर्ट-2
6.सद्पुरुष-2
8.कवायद-4
10.प्रतिघात,मुआवजा-3
12.कंठ,गला-3
13.लकड़ी-2
14.प्रथम मानव-2
15.धोखेबाज,कपटी-3
17.माजरा,घटना-3
19.कहासुनी,झंझट -4
21.संबोधन-2
23.चावल-2
24.रगड़ना,लगाना-3
25.वादा,प्रतिज्ञा -3

ऊपर से नीचे

1.लता,लतिका-2
2.चावल (अंग्रेजी-3)
3.हूर,अप्सरा-3
4.आकाश,व्योम-2
5.शायरी करनेवाला-3
7.योग्य,उपयुक्त-3
8.अदाकार,फनकार-4
9.घोड़ागाड़ी-2
12.बजरंगबली-4
15.माह,मास-3
16.जांघ,जंघा-2
18.धिक्कार,फटकार-3
19.मामूली,तुच्छ-3
20.बहने का भाव-3
22.संस्कृत में 'मेरा'-2
23.होश,आभास-2

शब्द पहेली -8049 का हल

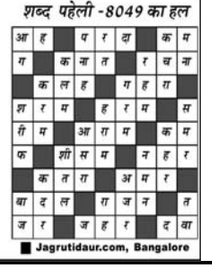

Jagrutidaur.com, Bangalore

खेल - समाचार

राशिद ने टी20 में सबसे तेजी से 150 विकेट पूरी किये

किंग्सटाउन (ईएमएस)। अफगानिस्

शेयर बाजार रिकार्ड तेजी के साथ बंद

सेंसेक्स 78,674 और निफ्टी 23,868 पर पहुंचा

मुम्बई (ईएमएस)। घरेलू शेयर बाजार बुधवार को भी तेजी के साथ बंद हुआ। बाजार में ये उछाल दुनिया भर से मिले-जुले संकेतों के बाद भी खरीददारी हावी रहने आया है। इससे पहले गत दिवस भी बाजार भारी तेजी के साथ बंद हुआ था। आज बेंचमार्क इंडेक्स सेंसेक्स और निफ्टी नए रिकार्ड स्तर पर पहुंचे। आज कारोबार के दौरान भारती एयरटेल, रिलायंस इंडस्ट्रीज, अल्ट्राटेक सीमेंट, आईसीआईसीआई बैंक, एक्सिस बैंक, कोटक बैंक, बजाज फाइनेंस, मारुति सुजुकी, आईटीसी और एलएंडटी जैसे दिग्गज शेयरों में जमकर खरीददारी हुई जिससे भी बाजार को बल मिला।

दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई शेयरों 620.73 अंक यानी 0.80 फीसदी बढ़कर 78,674.25 के नए सर्वोच्च स्तर पर बंद हुआ। वहीं 50 शेयरों वाला नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 147.50 अंक तकरीबन 0.62 फीसदी बढ़कर 23,868.80 अंक पर बंद हुआ।

कारोबार के दौरान सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 18 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। इसमें रिलायंस, भारती एयरटेल, अल्ट्राटेक सीमेंट, सन फार्मा और अदाणी पोर्ट्स सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। इसके अलावा, एक्सिस बैंक, एनटीपीसी, बजाज फाइनैंस, आईसीआईसीआई बैंक, एचयूएल, मारुति, कोटक बैंक, नेस्ले इंडिया, एलएंडटी, एशियन पेंट्स, टीसीएस, एसबीआई और आईटीसी भी लाभ में रहे।

सेंसेक्स के 30 शेयरों में 12 शेयर लाभ के साथ ही ऊपर आये। एम एंड एम , टाटा स्टील, टेक महिंद्रा, जेएस डब्ल्यू स्टील और टाइटन सेंसेक्स के सबसे अधिक लाभ वाले पांच शेयरों में रहे। इसके अलावा, एचडीएफसी बैंक, एचसीएल टेक, टाटा मोटर्स, बजाज फिनसर्व, इंडसइंड बैंक, पावर ग्रिड और इंफोसिस के शेयर नीचे आये हैं।

गत दिवस बाजार पहली बार 78 हजार से ऊपर पहुंचा था।

इससे पहले आज सुबह बाजार की सपाट शुरुआत हुई। दुनिया भर के बाजारों से मिश्रित संकेतों के बीच ही तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स आज सुबह 18 अंक करीब 0.02 फीसदी नीचे आने के साथ ही 78,035.59 के स्तर पर पहुंच गया। वहीं दूसरी ओर पचास शेयरों वाला एनएसई का निफ्टी 26 अंक तकरीबन 0.11 फीसदी टूटकर 23,694 के स्तर पर पहुंच गया।

वहीं एशियाई बाजारों की बात करें तो एशिया-प्रशांत बाजारों में कारोबार देखने को मिला। जापान का निक्केई 225 0.58 फीसदी ऊपर आया, और व्यापक टोपिक्स सूचकांक 0.15 फीसदी उछला। वहीं दक्षिण कोरिया का कोस्पी स्थिर था और केवल 0.09 फीसदी बढ़ा, और कोसडैक 0.09 फीसदी नीचे आया। ऑस्ट्रेलिया का एसएंडपी/एएसएक्स 200 0.78 फीसदी गिरा।

दूसरी ओर हांगकांग के हैंग सेंग सूचकांक के फ्यूचर्स 0.48 फीसदी नीचे आकर 17,986 के स्तर पर कारोबार करते हुए दिखे। अमेरिकी बाजारों की बात करें तो एसएंडपी 500 0.39 फीसदी ऊपर बंद हुआ। डॉव जोन्स 0.76 फीसदी गिरा जबकि नैस्डैक कंपोजिट 1.26 फीसदी बढ़ा।

सोने और चांदी की कीमतों में गिरावट

नई दिल्ली (ईएमएस)। घरेलू बाजार में बुधवार को सोने और चांदी की कीमतें नीचे आयी हैं। आज सुबह सोने के वायदा भाव की शुरुआत बढ़त के साथ हुई पर बाद में ये नीचे आने लगे। सुबह सोने का वायदा भाव 71,400 रुपये के करीब, जबकि चांदी का वायदा भाव 86,850 रुपये के करीब पहुंच गया। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार में सोने के वायदा भाव में कमजोर आई जबकि चांदी के वायदा भाव में बढ़त रही।

सोने के वायदा भाव की शुरुआत आज तेजी के साथ हुई पर बाद में कीमतें नीचे आने लगीं। मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सोने का अगस्त अनुबंध आज 51 रुपये की तेजी के साथ 71,518 रुपये के भाव पर खुला। ये 71,522 रुपये के भाव पर दिन के उच्च और 71,370 रुपये के भाव पर दिन के निचले स्तर पर पहुंचा। सोने का वायदा भाव पिछले महीने 74,442 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंचा था।

चांदी के वायदा भाव की शुरूआत कमजोर रही। एमसीएक्स पर चांदी का बेंचमार्क जुलाई अनुबंध आज 76 रुपये की गिरावट के साथ 86,861 रुपये पर खुला। पिछले महीने चांदी के वायदा भाव 96,493 रुपये के भाव पर सर्वोच्च स्तर पर पहुंच गये थे। वहीं अंतरराष्ट्रीय बाजार की बात करें तो सोने चांदी के वायदा भाव की शुरुआत में तेजी रही पर बाद में दोनों के भाव में गिरावट देखी जाने लगी। कामेक्स पर सोना 2,331.80 डॉलर प्रति औंस के भाव पर खुला इसका पिछला बंद भाव 2,330.80 डॉलर प्रति औंस था। वहीं कामेक्स पर चांदी के वायदा भाव 28.96 डॉलर के भाव पर खुले। इनका पिछला बंद भाव 28.86 डॉलर था।

टी20 विश्व कप सेमीफाइनल में इंग्लैंड के खिलाफ जीत के इरादे से उतरेगी भारतीय टीम

रात 8 बजे शुरू होगा मुकाबला

गुयाना (ईएमएस)। आईसीसी टी20 विश्वकप क्रिकेट के दूसरे सेमीफाइनल में गुरुवार को भारतीय टीम का मुकाबला इंग्लैंड से होगा। दोनो ही टीमों का लक्ष्य इस मैच में जीत के साथ ही फाइनल में जगह बनाना होगा। भारतीय टीम ने इस बार जिस प्रकार धमाकेदार अंदाज में यहां तक का सफर तय किया है। उससे इस मैच में भारतीय टीम को जीत का प्रबल दावेदार माना जा रहा है। सुपर आठ में भारतीय टीम ने जिस प्रकार से ऑस्ट्रेलिया को हराया उससे भी टीम का मनोबल बढ़ा है। भारतीय टीम के पास कप्तान रोहित शर्मा , विराट कोहली सहित कई बेहतरीन बल्लेबाज हैं। रोहित ने ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ 92 रनों की पारी खेलकर दिखा दिया है कि वह पूरी तरह से लय में हैं। इसके अलावा टीम के पास जसप्रीत बुमराह और कुलदीप यादव जैसा स्पिनर है। ऑलराउंडर हार्दिक पंडया भी अच्छे फार्म में आ गये हैं। टीम का मध्यक्रम भी मजबूत है। वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड की टीम मुश्किल से यहां तक पहुंची है। पिछली बार उसने टी20 विश्वकप सेमीफाइनल में भारतीय टीम को दस विकेट से हराया था और ऐसे में भारतीय टीम इस बार हिसाब बराबर करने उतरेगी। इस मैदान पर स्पिनरों ने शुरुआती मैच से ही दबाव बनाया है। ऐसे में भारत के कुलदीप यादव और इंग्लैंड के आदिल राशिद जैसे खिलाड़ी इस मुकाबले में अहम भूमिका निभा सकते हैं। तेज गेंदबाजों को भी इस मैदान पर सफलता मिली है। जिसके लिए भारत के पास जसप्रीत बुमराह वहीं इंग्लैंड के पास जोफ्रा आर्चर जैसा गेंदबाज है।

आठ जून के बाद से यहां कोई मैच नहीं खेला गया है। इससे क्यूरेटर को इस महत्वपूर्ण मैच के लिए उपयुक्त पिच तैयार करने के लिए अतिरिक्त समय मिल गया। भारत ने सुपर आठ चरण में शानदार प्रदर्शन किया लेकिन सेमीफाइनल के अत्यधिक दबाव में सहज गलतियां हो जाती हैं। शीर्ष क्रम में भारतीय टीम अब तक असफल रहे विराट से रन की उम्मीद। रोहित और कोहली दोनों के लिए यह शायद भारत की जर्सी में टी20 विश्व खिताब जीतने का आखिरी मौका है और दोनों अपनी छाप छोड़ने के लिए बेताब होंगे। रोहित ने पहले ही स्पष्ट कर दिया है कि वह व्यक्तिगत उपलब्धियों की परवाह किए बिना पावरप्ले में आक्रामक बल्लेबाजी करने का इरादा रखते हैं जो ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ मैच में भी स्पष्ट था। वहीं नये ऑलराउंडर शिवम दुबे ने मध्यक्रम में उम्मीद के मुताबिक बल्लेबाजी नहीं की है और यह देखना दिलचस्प होगा कि वह स्पिनर आदिल के खिलाफ कैसा प्रदर्शन करते हैं। भारत के इस मैच में बिना किसी बदलाव के उतरने की संभावनाहैक्योंकि अब तक लगातार जीत रही टीम संयोजन में कोई बदलाव जोखिम भरा हो सकता है। टीम के पास हालांकि लेग स्पिनर युजवेंद्र चहल हैं जो इंग्लैंड के फिल सॉल्ट, जोस बटलर, हैरी ब्रूक और जॉनी बेयरस्टो जैसे दाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ प्रभावी साबित हो सकते हैं।

चहल को इस प्रतियोगिता में अब तक एक भी मैच खेलने का मौका नहीं मिला है और अब उन्हें अवसर मिलना संभव नहीं है क्योंकि भारत के पास पहले से ही रविंद्र जडेजा, अक्षर पटेल और कुलदीप की स्पिन तिकड़ी उपलब्ध है। कुलदीप और बुमराह ने अब तक बेहतरीन गेंदबाजी की है। इंग्लैंड को उनके खिलाफ रन बनाने के लिए कुछ खास करना होगा। हार्दिक पंडया ने अपने ऑलराउंड प्रदर्शन से प्रभावित किया है और टीम को उनसे इसी तरह के प्रदर्शन को जारी रखने की उम्मीद होगी।

वहीं दूसरी ओर इंग्लैंड का अभियान अब तक उतार-चढ़ाव भरा रहा। वे सुपर आठ में दक्षिण अफ्रीका से हार गए पर फिर अंक तालिका और रन रेट के आधार पर यहां तक पहुंच गये हैं। कप्तान बटलर ने इंग्लैंड के अंतिम सुपर आठ मैच में अच्छे रन बनाए और भारतीय गेंदबाजी से परिचित होने के कारण वह मैच विजेता पारी खेल सकते हैं। उनके सलामी जोड़ीदार सॉल्ट बहुत जल्दी अपनी आक्रामक शैली से गेंदबाजों पर दबाव बना देते हैं। ऐसे में भारतीय टीम का उनसे सावधान रहन होगा।

जॉनी बेयरस्टो और मोईन अली से अधिक रन की उम्मीद टीम को रहेगी। मोईन की ऑफ स्पिन भी भारत के बाएं हाथ के बल्लेबाजों के खिलाफ उपयोगी हो सकती है। लेग और ऑफ स्पिन दोनों करने वाले लियाम लिविंगस्टोन भी अपने कोटे के पूरे ओवर फेंक सकते हैं जैसा कि उन्होंने अमेरिका के खिलाफ किया था। आदिल के चार ओवर भी इस महत्वपूर्ण मुकाबले में निर्णायक साबित हो सकते हैं। चोट से वापसी के बाद अपनी पहली बड़ी प्रतियोगिता में तेज गेंदबाज जोफ्रा आर्चर ने अब तक सात मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है और वह नई गेंद से रोहित और कोहली को आउट करने के इरादे से उतरेंगे। इसके अलावा पिछले मैच में हैट्रिक लेने के बाद क्रिस जोर्डन भी इस मैच में बढ़े हुए मनोबल के साथ उतरेंगे। ऐसे में इस मैच में रोमांचक खेल होना तय है।

कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम की मांग - सीएम सिद्धारमैया बोले- हाईकमान का फैसला अंतिम

बेंगलुरु (ईएमएस)। कर्नाटक में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने की मांग उठ रही है। कर्नाटक के कुछ मंत्री वीराशैवा-लिंगायत, एससी-एसटी और माइनॉरिटी कम्युनिटी के नेताओं को डिप्टी सीएम दिए जाने की पैरवी कर रहे हैं। इसे लेकर मुख्यमंत्री सिद्धारमैया ने कहा है कि इस मामले में कांग्रेस हाईकमान का फैसला फाइनल होगा। फिलहाल कर्नाटक में डिप्टी सीएम के पद पर वोक्कालिगा समुदाय के डीके शिवकुमार हैं।

को-ऑपरेशन मिनिस्टर केएन राजन्ना, हाउसिंग मिनिस्टर बीजेड जमीर अहमद खान, पब्लिक वर्क्स मिनिस्टर सतीश जारकीहोली समेत कई अन्य नेताओं ने इस हफ्ते राज्य में तीन और डिप्टी सीएम बनाए जाने का मामला उठाया। ये सभी नेता सिद्धारमैया के करीबी माने जाते हैं।

राज्य में कांग्रेस के एक धड़े का मानना है कि मंत्रियों का तीन नए डिप्टी सीएम की मांग करना सिद्धारमैया कैंप के प्लान का हिस्सा है, ताकि मौजूदा डिप्टी सीएम डीके शिवकुमार को काबू में रखा जा सके और सरकार और पार्टी में उनके प्रभाव को कम किया जा सके। दरअसल पिछले साल मई में राज्य में कांग्रेस की सरकार बनने के समय से ऐसी चर्चाएं हैं कि सरकार के ढाई साल पूरे होने के बाद शिवकुमार सीएम पर दावेदारी कर सकते हैं। मई में विधानसभा चुनाव में कांग्रेस के जीतने के बाद सीएम पद के लिए सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार- दोनों ने दावेदारी पेश की थी। कांग्रेस ने सिद्धारमैया को सीएम पद देते हुए तय किया था कि डीके शिवकुमार राज्य के इकलौते डिप्टी सीएम रहेंगे। यह सीएम पद की दावेदारी छोड़ने और डिप्टी सीएम बनने के लिए डीके शिवकुमार के प्रति कांग्रेस लीडरशिप का कमिटमेंट था।

क्या हुआ.....रॉकेट की तरह भागने लगा वोडाफोन आइडिया का शेयर

मुंबई (ईएमएस)। भारत की तीसरी सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनी वोडाफोन आइडिया 4जीऔर 5जी नेटवर्क्स के विस्तार के लिए तेजी से लगी हुई है। हाल ही में एफपीओ के द्वारा 18,000 करोड़ रुपये जुटाने वाली वोडाफोन आइडिया मोबाइल कंपनी सैमसंग के साथ नई टेक्नोलॉजी प्रदान करने के लिए चर्चा कर रही है। वोडाफोन आइडिया सैमसंग से वर्चुअलाइज्ड रेडियो एक्सेस नेटवर्क्स (वीआरएएन) पर भी चर्चा कर रही है। वोडाफोन आइडिया ने कहा कि पिछले 12-18 महीने के बीच 4जी विस्तार और 5जी सर्विस की लॉन्चिंग के लिए दोनों कंपनियां चेन्नई में नेटवर्क ट्रायल कर रही हैं।

वीआई ने कहा कि चल रहे ट्रायल और मौजूदा सप्लायर्स के बराबर परफॉर्मेंस से प्रोत्साहित होकर कंपनी ने कर्नाटक और बिहार सर्कल में सैमसंग नेटवर्क इक्विपमेंट की संख्या बढ़ा दी है। हालांकि वीआई ने मौजूदा वेंडर्स का नाम नहीं उजागर किया। कंपनी ने कहा कि सैमसंग के इस सेटअप से वोडाफोन आइडिया को 5जी के लिए मिनिमम रोलआउट ऑब्लिगेशन (एमआरओ) को पूरा करने में मदद मिली। ये एमओआर चेन्नई, कर्नाटक और बिहार के लिए थे। गौरतलब है कि सैमसंग का वीआरएएन सॉल्यूशम वोडाफोन आइडिया को नेटवर्क मैनेजमेंट को बेहतर बनाने में मदद करता है।

हाल ही में वीआई ने इसकी जानकारी दी थी कि वह 5जी नेटवर्क के लिए स्वीडन की कंपनी एरिक्सन से बातचीत कर रही है। स्वीडन की टेलीकॉम कंपनी एरिक्सन ने फरवरी महीने में कहा था कि उसने अपने 12 सर्किलों में भारती एयरटेल के लिए 100,000 बड़े मिमो 5जी रेडियो तैनात किए हैं। पिछले दिनों एक रिपोर्ट का हवाल देकर बताया था कि वोडाफोन आइडिया (वीआई) अपने पुराने बकाया ऑपरेशनल लोन को निपटाने के लिए नोकिया और एरिक्सन सहित अपने विक्रेताओं को अतिरिक्त शेयर ऑफर करने की संभावना तलाश रही है।

इस खबर के बाद वीआई की शेयर प्राइस में बुधवार को उछाल देखने को मिला। एनएसई पर इसके शेयर 2:46 बजे 6.69 प्रतिशत की उछाल के साथ 18.34 रुपये पर ट्रेड करते देखे गए। इंट्रा डे ट्रेड के दौरान कंपनी के शेयर 18.47 के हाई लेवल तक गए थे। मौजूदा समय में वोडाफोन आइडिया का मार्केट कैप 1.25 लाख करोड़ रुपये है। वोडाफोन आइडिया का मार्च तिमाही घाटे का आंकड़ा बढ़कर 7,675 करोड़ रुपये हो गया था। कंपनी का कहना है कि ब्याज और वित्तीय लागत बढ़ने की वजह से घाटा हुआ है।

स्पेक्ट्रम नीलामी 11,000 करोड़ रुपये की बोलियों के साथ समाप्त

नई दिल्ली (ईएमएस)। मोबाइल रेडियो तरंग सेवाओं के लिए 96,000 करोड़ मूल्य की स्पेक्ट्रम नीलामी करीब 11,000 करोड़ रुपये की बोलियों के साथ समाप्त हुई। मोदी सरकार ने नीलामी में 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1,800 मेगाहट्र्ज, 2,100 मेगाहट्र्ज, 2,300 मेगाहट्र्ज, 2,500 मेगाहट्र्ज, 3,300 मेगाहट्र्ज और 26 गीगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम बैंड की पेशकश की, जिसका आधार मूल्य 96,238 करोड़ रुपये है।नीलामी करीब 11,000 करोड़ रुपये की बोलियों के साथ समाप्त हुई है। उन्होंने बताया कि भारती एयरटेल नीलामी में सबसे बड़ी बोलीदाता के रूप में उभरी है। पिछली नीलामी 2022 में हुई थी जो सात दिन तक चली थी। उसमें 5जी दूरसंचार स्पेक्ट्रम की रिकॉर्ड 1.5 लाख करोड़ रुपये से अधिक की बिक्री हुई थी, जिसमें अरबपति मुकेश अंबानी की जियो शीर्ष बोलीदाता के रूप में उभरी थी। उसने सभी रेडिया तरंगों का करीब आधा हिस्सा (88,078 करोड़ रुपये मूल्य) हासिल किया था। उस समय दूरसंचार दिग्गज सुनील मित्तल की भारती एयरटेल ने 43,084 करोड़ रुपये की सफल बोली लगाई थी, जबकि वोडाफोन-आइडिया ने 18,799 करोड़ रुपये में स्पेक्ट्रम खरीदा था।

उदयपुर में आज से लगेगा दुनिया का अनूठा मेला, 18 जुलाई को केवल महिलाओं को ही मिलेगा प्रवेश

उदयपुर। मेले तो कई जगह लगते हैं लेकिन उदयपुर में हरियाली अमावस्या का मेल विश्व के अनूठे मेलों में शुमार है। इस मेले की खास बात यह है कि दो दिवसीय मेले का दूसरा दिन केवल महिलाओं यानी सहेलियों के लिए रिजर्व है। सवा सौ सालों से चली आ रही यह परम्परा कायम है। यह मेला इस साल 17 और 18 जुलाई को आयोजित होने जा रहा है।

हरियाली अमावस्या पर राजस्थान में कई जगह मेले आयोजित होते हैं लेकिन उदयपुर के मेले की बात कुछ और ही है। इस मेले की शुरूआत तात्कालिक महाराणा फतहसिंह के कार्यकाल के दौरान सन 1898 में हुई थी। महाराणा फतहसिंह ने दुनिया में पहली बार महिलाओं को अकेले मेले का आनंद उठाने का अधिकार दिया था। इसके लिए उन्होंने फतहसागर झील जिसे पहले देवाली तालाब कहा जाता था, उस पर पाल बनवाई और वहां महिलाओं का मेला आयोजित किया। तब से यह परंपरा चली आ रही है।

'पीओजेके से अपनी सेना हटाए पाकिस्तान, नहीं तो बढ़ेगा तनाव'- यूकेपीएनपी

जिनेवा। जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद का 56वां सत्र चल रहा है। इस दौरान यूनाइटेड कश्मीर पीपुल्स नेशनल पार्टी (यूकेपीएनपी) के अध्यक्ष सरदार शौकत अली कश्मीरी ने मंगलवार को पाकिस्तान से एक विशेष आग्रह किया है। उन्होंने पाक अधिकृत जम्मू-कश्मीर में पाक सैनिकों की तैनाती न करने की अपील की है। कश्मीरी ने एक वीडियो संदेश में कहा, 'हमें पीओजेके से रिपोर्ट मिली हैं, जिनसे पता चलता है कि पाकिस्तानी प्रशासन वहां फ्रंटियर कोर (एफसी) यूनिट को फिर से तैनात कर रहा है। यह पहचानना महत्वपूर्ण है कि पीओजेके एक विवादित क्षेत्र है और इसलिए, पाकिस्तान को वहां अपनी सेना तैनात नहीं करनी चाहिए।'

कश्मीरी ने आगे कहा कि 'ऐसी कार्रवाइयों से स्थानीय लोगों में तनाव पैदा होता है। पाकिस्तान को लोगों और प्रशासन के बीच और अशांति को रोकने के लिए पीओजेके से अपने सैनिकों को वापस बुलाना चाहिए। कश्मीरी ने विरोधाभासी नीतियों के लिए पाकिस्तान की आलोचना की और पाकिस्तान के कब्जे वाले गिलगित बाल्टिस्तान और पीओजेके से सभी बंदियों की रिहाई की मांग की।

अध्यक्ष ने कहा कि जबकि पाकिस्तान ने पीओजेके में हिरासत में लिए गए कार्यकर्ताओं को रिहा कर दिया है, उसने पीओजेके और पाकिस्तान अधिकृत गिलगित बाल्टिस्तान (पीओजीबी) में अवामी एक्शन कमेटी (एएसी) के सदस्यों के खिलाफ कई मामले भी दर्ज किए हैं। हम पीओजीबी और पीओजेके से सभी बंदियों की तत्काल रिहाई की मांग करते हैं और पाकिस्तान से जनता की शिकायतों को दूर करने का आग्रह करते हैं।' यूकेपीएनपी के पूर्व केंद्रीय विदेश सचिव जमील मकसूद ने एएसी सदस्यों के साथ एकजुटता व्यक्त की और पीओजेके और पीओजीबी के कार्यकर्ताओं के खिलाफ दर्ज एफआईआर के बारे में चिंता जताई।

सूखा-बेमौसम बारिश और मानसून की बदलती चाल...21 राज्यों में किए गए सर्वेक्षण में सामने आया तथ्य

नई दिल्ली(ईएमएस)। जलवायु परिवर्तन की वजह से मौसम में लगातार बदलाव देखने को मिल रहे हैं, जिसका सीधा असर देश के किसानों पर भी पड़ रहा है। एक रिपोर्ट के अनुसार, पिछले पांच वर्षों में प्रतिकूल जलवायु घटनाओं के कारण भारत में 80 प्रतिशत सीमांत किसानों को फसल का नुकसान उठाना पड़ा है। फोरम ऑफ एंटरप्राइजेज फॉर इक्विटेबल डेवलपमेंट द्वारा डेवलपमेंट इंटेलिजेंस यूनिट के सहयोग से किए गए सर्वेक्षण में 21 राज्यों के 6,615 किसान शामिल थे। जिसमें बताया गया है कि 41 प्रतिशत किसान बारिश से, 32 प्रतिशत सूखे से और 24 प्रतिशत किसान लेट मॉनसून से परेशान हैं।

रिसर्च से पता चला है कि फसल के नुकसान का प्राथमिक कारण सूखा (41 प्रतिशत), बहुत ज्यादा या बेमौसम बारिश सहित अनियमित वर्षा (32 प्रतिशत) और मॉनसून का समय से पहले वापस चले जाना या देर से आना (24 प्रतिशत) है। रिपोर्ट के अनुसार, सर्वेक्षण में शामिल लगभग 43 प्रतिशत किसानों ने अपनी खड़ी फसलों का कम से कम आधा हिस्सा खो दिया है। असमान वर्षा के कारण सबसे ज्यादा प्रभावित चावल, सब्जी और दाल की फसलें हुई है। वहीं, उत्तरी राज्यों में धान के खेत अक्सर एक सप्ताह से अधिक समय तक जलमग्न रहते हैं, जिससे नए लगाए गए पौधे नष्ट हो जाते हैं। इसके अलावा महाराष्ट्र, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, बिहार और पश्चिम बंगाल जैसे राज्यों में कम बारिश के कारण चावल, मक्का, कपास, सोयाबीन, मूंगफली और दालों जैसी विभिन्न फसलों की बुवाई में देरी हुई है। हालांकि, इस रिपोर्ट में तापमान से होने वाले बदलावों के प्रभाव को शामिल नहीं किया गया है।

साल 2022 में भारत में हीटवेव के शुरुआती प्रकोप ने गेहूं की फसल को प्रभावित किया था, जिसकी वजह से गेहूं का उत्पादन साल 2021 के 109.59 मिलियन टन से घटकर 107.7 मिलियन टन रह गया था। इस वजह से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े गेहूं उत्पादक देश भारत को निर्यात पर प्रतिबंध लगाना पड़ा था। गर्मी ने साल 2023 में फिर से गेहूं के उत्पादन को प्रभावित किया, जिससे आधिकारिक लक्ष्य लगभग 3 मिलियन टन कम हो गया।

रिपोर्ट में हुआ खुलासा

साल 2021 की क्लाईमेट ट्रांसपेरेंसी रिपोर्ट में बताया गया है कि चावल के उत्पादन में 10 से 30 प्रतिशत की गिरावट आ सकती है और 1 से 4 डिग्री सेल्सियस के बीच तापमान वृद्धि की वजह से मक्का का उत्पादन 25 से 70 प्रतिशत तक घट सकता है। सीमांत किसान, जिनके पास एक हेक्टेयर से भी कम भूमि है वे भारत के कृषि क्षेत्र का सबसे बड़ा हिस्सा हैं, जो सभी किसानों का 68.5 प्रतिशत प्रतिनिधित्व करते हैं, लेकिन फसल क्षेत्र का केवल 24 प्रतिशत ही उनके पास है। फोरम ऑफ एंटरप्राइजेज फॉर इक्विटेबल डेवलपमेंट के अध्यक्ष संजीव चोपड़ा का कहना है कि जलवायु परिवर्तन का सबसे ज्यादा असर भारत में देखने को मिला है। इस साल दिल्ली-एनसीआर और पूरे देश में भीषण गर्मी का पड़ना इस बात का स्पष्ट संकेत है। इसे रोकने के लिए जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियों को बढ़ावा देना, आजीविका में विविधता लाना और वित्तीय सेवाओं और तकनीकी सलाह की पहुंच में सुधार करने की आवश्यकता है। सीमांत किसानों में से 83 प्रतिशत पीएम किसान सम्मान निधि योजना के अंतर्गत आते हैं, लेकिन सिर्फ 35 प्रतिशत के पास फसल बीमा पहुंचता है और मात्र 25 प्रतिशत को समय पर वित्तीय ऋण मिलता है।

मौसम की घटनाओं से बदलाव

सर्वेक्षण में पाया गया है कि मौसम की घटनाओं से प्रभावित दो-तिहाई सीमांत किसानों ने जलवायु-अनुकूल कृषि पद्धतियों को अपनाया है, जिसमें बुवाई के समय और तरीकों, फसल की अवधि और जल एवं रोग प्रबंधन रणनीतियों में बदलाव करना शामिल है। हालांकि, इन पद्धतियों को अपनाने वाले 76 प्रतिशत लोगों को ऋण सुविधाओं की कमी, भौतिक संसाधनों की कमी, सीमित ज्ञान, कम भूमि और ज्यादा लागत जैसी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। जबकि 21 प्रतिशत सीमांत किसानों के पास उनके गांव के 10 किलोमीटर के अंदर कोल्ड स्टोरेज है, लेकिन मात्र 15 प्रतिशत ने इन सुविधाओं का उपयोग किया है। वहीं 48 प्रतिशत के पास उनके गांव के 10 किलोमीटर के अंदर कस्टम हायरिंग सेंटर है, लेकिन सिर्फ 22 प्रतिशत ने इन केंद्रों से उपकरण किराए पर लिए हैं।

एलआईसी को क्यों जारी करनी पड़ी चेतावनी

मुंबई (ईएमएस)। देशभर में भारतीय जीवन बीमा निगम के करोड़ों पॉलिसीधारक हैं। इन सभी ग्राहकों के हित में एलआईसी ने जरूरी चेतावनी जारी की है। एलआईसी ने अपने पॉलिसी होल्डर्स को उनकी इंश्योरेंस पॉलिसी से जुड़े गैर अधिकृत ट्रांजेक्शन को लेकर सतर्क किया है। दरअसल यह सूचना उन रिपोर्ट्स के सामने आने के बाद जारी हुई है, जिसमें कहा गया था कि कुछ कंपनियां पॉलिसी सरेंडर करने के नाम पर एलआईसी पॉलिसी होल्डर्स से पॉलिसी हासिल करना चाहती हैं।

दरअसल ऐसी खबरें सामने आई हैं, जिसमें लोगों को अच्छी रकम देने का भरोसा दिलाकर उनकी मौजूदा एलआईसी इंश्योरेंस पॉलिसी खरीदने का लालच दिया जा रहा है। इसके बाद लोग अपनी बीमा पॉलिसी कंपनियों को सरेंडर नहीं करके, उन्हें गलत तरीके से बेच रहे हैं। इस मामले पर एलआईसी ने अपनी स्थिति साफ की है। एलआईसी ने बयान जारी कर कहा, एलआईसी ऐसी किसी यूनिट, या संस्थाओं द्वारा पेश किए जा रहे प्रोडक्ट्स और/या सर्विसेज से संबद्ध नहीं है। हम सभी पॉलिसीधारकों से आग्रह करते हैं कि वे अपनी पॉलिसी पर कोई भी निर्णय लेने से पहले पूरी सावधानी बरतें, जिससे उनकी वित्तीय सुरक्षा और उनके परिवार के लिए जोखिम कवर खतरे में पड़ सकता है। किसी भी ऑफर का जवाब देने से पहले, कृपया हमारी शाखाओं में किसी भी एलआईसी अधिकारी से परामर्श लें। ने भी अपने अपने क्षेत्र में बिजली को सुचारू करने की मांग सरकार से कर चुके हैं। अब उद्योगों पर भी बिजली संकट के बादल मंडराने लगे हैं।

राज्य सरकार ने मंगलवार देर रात से सात घंटे बिजली कटौती शुरू कर दी है। अब उद्योगपति सरकार के इस फैसले का विरोध कर रहे हैं। उनका कहना है कि रोजाना सात घंटे बिजली कटौती से उनका 30 फीसदी उत्पादन कम होगा, जिसका सीधा असर सरकार के राजस्व पर भी पड़ेगा।

बिजली कटौती के आदेश के बाद जयपुर, अजमेर और जोधपुर डिस्कॉम इलाके में सात घंटे की रोज कटौती करना शुरू कर दिया है। रात 8 बजे से लेकर तीन बजे तक बिजली सप्लाई बंद रहेगी। कोल्ड स्टोरेज जैसे उद्योगों बिजली कटौती में 50 फीसदी की छूट दी गई है। साथ ही एनसीआर में बिजली आपूर्ति निर्बाध रूप से जारी रहेगी। ऊर्जा विभाग के अतिरिक्त सचिव का कहना है कि प्रदेश में बिजली खपत 20 फीसदी बढ़ी है। ऐसे में एहतियातन बिजली कटौती के कदम उठाए जा रहे हैं। पिछले साल जून में बिजली की मांग रोज 2200 लाख यूनिट थी जो इस बार बढ़कर 3500 लाख यूनिट हो गई है।

बिजली कटौती से उद्योगों को भारी नुकसान पहुंचेगा। जयपुर के सीतापुरा औद्योगिक एसोसिएशन के अध्यक्ष निलेश अग्रवाल का कहना है कि सरकार अपना वादा भूल गई है। सरकार ने बिजली सप्लाई का वादा किया था। अब कभी फ्यूल सरचार्ज तो कभी बिजली कटौती की जाने लगी है। सरकार के इस फैसले से नया औद्योगिक क्षेत्र प्रभावित होगा। झोटवाड़ा औद्योगिक क्षेत्र के अध्यक्ष आनंद गुप्ता कहते हैं कि बिजली कटौती का आदेश उद्योगों के लिए किसी सजा से कम नहीं है।

सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक बंद पड़े जनधन खातों को फिर करें चालू

नई दिल्ली,(ईएमएस)। केंद्रीय वित्त मंत्रालय ने सार्वजनिक क्षेत्र के बैंकों से प्रधानमंत्री जन धन योजना के तहत निष्क्रिय खातों को फिर से शुरू करने का अनुरोध किया है। एक वरिष्ठ बैंकर ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि हमें प्रधानमंत्री जन धन योजना खातों पर ध्यान केंद्रित करने का निर्देश दिया है जो खाते बंद हैं। यह वित्तीय समावेशन पहल का एक हिस्सा है, क्योंकि कुछ लोग इन खातों को खोलने के बाद भूल जाते हैं। वित्तीय सेवा विभाग ने हमें इस मुद्दे को संबोधित करने के लिए कहा है।

वित्त मंत्रालय ने सरकारी बैंकों के प्रमुखों की एक बैठक बुलाई, जिसमें प्रधानमंत्री विश्वकर्मा, जन सुरक्षा और मुद्रा योजना समेत कई वित्तीय समावेशन योजनाओं की प्रगति का मूल्यांकन किया गया। बैठक की अध्यक्षता वित्तीय सेवा सचिव विवेक जोशी ने की। छह दिसंबर 2023 तक, देशभर में करीब 20 फीसदी प्रधानमंत्री जनधन योजना के अकाउंट्स बंद थे। यह जानकारी तत्कालीन वित्त राज्य मंत्री भागवत कराड ने राज्यसभा में लिखित उत्तर में दी थी।

बैंकर ने कहा कि चर्चा का मेन फोकस सरकारी योजनाओं जैसे अटल पेंशन योजना, प्रधानमंत्री विश्वकर्मा और उनकी जमीनी स्तर पर कार्यान्वयन की समीक्षा पर था। बैंकर ने कहा कि हमें कोर बैंकिंग और जमा राशि बढ़ाने पर भी फोकस करने की सलाह दी गई थी। हमने क्षेत्रीय ग्रामीण बैंकों के टेक्नोलॉजिकली अपग्रेडेशन और बैंकों द्वारा वित्तीय सेवा विभाग के लिए दी गई प्रतिबद्ध समयसीमा पर भी चर्चा की। सेंट्रलाइज्ड केवायसी भी लाया गया। इंफ्रास्ट्रक्चर फाइनेंशिंग पर आरबीआई की ड्राफ्ट गाइडलाइन्स के संबंध में कोई चर्चा नहीं हुई। पिछले साल सितंबर में, पीएम मोदी ने प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना की शुरुआत की थी, जिसका उद्देश्य पारंपरिक कारीगरों और शिल्पकारों को बिना किसी गारंटी के न्यूनतम ब्याज दरों पर लोन प्रदान करना है।

बैठक में भारतीय स्टेट बैंक के चेयरमैन दिनेश कुमार खारा, बैंक ऑफ बड़ौदा के एमडी और सीईओ देबदत्ता चंद, सेंट्रल बैंक ऑफ इंडिया के एमडी और सीईओ एमव

अठवा लाइंस से लेकर मान दरवाजे तक हर रोज लंबा जाम

सूरत शहर में बेतरबीत मेट्रो के काम और ट्रैफिक लाइट ने बिगाड़े हालात

सूरत, २६ जून ।

शहर इस समय सबसे ज्यादा ट्रैफिक की परेशानी से जूझ रहा है। एक ओर मेट्रो का ढीला काम है और दूसरी ओर ट्रैफिक लाइट की समस्या। मेट्रो के काम से हो रही परेशानी से निजात मिल नहीं पाई थी, उससे पहले बिना तैयारी कि ट्रैफिक लाइट शुरू कर दीं। जिससे लोगों को शहर के भीतर दोहरे जाम से जूझना पड़ रहा है। मेट्रो की वजह से शहर बॉटलनेक बना है और लाइट की वजह से उसमें फंसा हुआ है। जहां भी ट्रैफिक लाइट जल रही है, वहां पर जाम लग रहा है।अठवा लाइंस से लेकर मान दरवाजे तक जाम ।

अठवा लाइंस से लेकर मान दरवाजे तक रिंग रोड है, चार किलोमीटर का सफर है। इस रास्ते पर फ्लाइओवर और उसके नीचे भी सड़क है। दोहरा रास्ता होने के बाद भी यहां पर रोज जाम लगा रहता है। उसका सबसे बड़ा कारण धीमी गति से चल रहा मेट्रो का काम है। मेट्रो कंपनी का कहीं भी पिलर का काम शुरू हो जाता है। पुराने काम को खत्म किए बिना नए काम की तैयारी शुरू हो जाती है। अधूरे काम से पूरे रास्ते बॉटलनेक बन गए हैं। जिन पर जाम लग रहा है। मंगलवार को यहां पर फ्लाइओवर के नीचे और ऊ पर लगे जाम से लोगों को दो किलोमीटर का सफर पूरा करने में एक घंटे का तक समय लगा।

वराछा और भटार क्षेत्र में जारी मेट्रो रेल के कार्य यहां पर भी बैरिकट करने की वजह से आधी से भी कम सड़क का लोग उपयोग कर पा रहा है। खुदाई के कारण भी सड़के खस्ताहाल हो चुकी है, जिससे वाहन चालकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। वहीं, मानसून के दौरान यहां हालात और भी बिगड सकते हैं।

मेट्रो के काम की रफ्तार बढ़ने के बजाय लगातार धीमी होती जा रही है। रिंग रोड पर आधे-अधूरे पिलर खड़े छोड़ दिए गए हैं। उनके आसपास बैरिकेटिंग लगाकर आधा रास्ता बंद कर दिया गया है। जिससे यह रिंग रोड पूरी तरह से बॉटलनेक में बदल गई है। अब बॉटलनेक ही जाम की बड़ी वजह बन रहा है।जिम्मेदार कौन, कंपनी या अफसर?

मेट्रो के धीमे काम को लेकर नगर निगम या दूसरे अफसरों ने कोई फिक्र नहीं दिखाई है। मेट्रो का काम कर रही कंपनी से भी अब तक सवाल-जवाब नहीं किया गया है। न ही उन्हें ट्रैफिक को बेहतर तरीके से चलाने के लिए सहयोग करने की जिम्मेदारी दी गई है। न ही उनके साथ ट्रैफिक को बेहतर तरीके से चलाने की उनकी भूमिका तय की गई है। इसकी वजह से हर जगह पर मेट्रो कंपनी के बैरिकेटिंग लगे हुए हैं, जिससे पूरा ट्रैफिक प्रभावित हो रहा है।

मेगा प्रोजेक्ट का टाइमफ्रेम तय हो, कन्स्ट्रक्शन प्लान होना चाहिए। इसमें यह भी शामिल होना चाहिए कि बॉटलनेक कितने दिनों के भीतर खत्म करेंगे। छोटे स्पान पर तेजी से काम करना चाहिए, जिससे लोगों को असुविधा कम हो। अब ८-९ स्पॉन के फ्लाइओवर एक साल में बनकर चलने लगते हैं। ठेकेदार कंपनियों को और ज्यादा जवाबदेह बनाने की जरूरत है।

ड्रोन की मदद से हटाया गया ट्राफिकजाम, मेट्रो के कारण बढ़ी थी अव्यवस्था

सूरतः एक तरफ सूरत में मेट्रो का परिचालन शुरू हो गया है, तो दूसरी तरफ शहर में भारी यातायात व्यवस्था का सामना करना पड़ रहा है। कल, अठवा से उधना रिंग रोड इलाके में 3 घंटे तक भारी जाम लगा रहा। इस समस्या को दूर करने के लिए आज ट्रैफिक डीसीपी खुद सड़क पर उतरे और ड्रोन कैमरे की मदद से निरीक्षण किया।

ट्रैफिक पुलिस ने मेट्रो प्रोजेक्ट एजेंसी के साथ मिलकर अधिक ट्रैफिक वाले स्थानों का दौरा किया। सिटी ट्रैफिक डीसीपी अमिता वनानी ने इस निरीक्षण का नेतृत्व किया। शहर मेंड्रोन कैमरे की मदद से यातायात पर नजर रखी गई। प्री-मानसून ऑपरेशन के तहत लोगों के आवागमन को सुगम बनाने के लिए यह अभियान चलाया गया था।

ट्रैफिक डीसीपी अमिता वानानी ने कहा कि ड्रोन की मदद से उन स्थानों की पहचान की जा रही है जहां भारी यातायात जाम लगता है। साथ ही, ड्रोन का उपयोग करके यह भी विश्लेषण किया जा रहा है कि शहर में ट्रैफिक पॉइंट कहां-कहां हैं। मानसून और त्योहारों को ध्यान में रखते हुए सर्वेक्षण किया जा रहा है ताकि यातायात व्यवस्था को सुगम बनाया जा सके। फिलहाल, अलथाण, वेसू और वराछा समेत कई इलाकों में ड्रोन का इस्तेमाल किया जा रहा है।

जीसीएएस पोर्टल में भ्रष्टाचार का आरोप , विधायक ने सीएम को लिखा पत्र

सूरत : सूरत वराछा से भाजपा विधायक कुमार कनानी ने जीसीएएस पोर्टल को लेकर मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल को पत्र लिखा है। पत्र में उन्होंने सीधे तौर पर आरोप लगाया है कि यह पोर्टल भ्रष्टाचार के कारण बनाया गया है।

कनानी ने पत्र में छात्रों और अभिभावकों द्वारा प्रवेश प्रक्रिया में हो रही परेशानियों का उल्लेख किया है। उनका कहना है कि निजी कॉलेजों द्वारा बिना किसी योग्यता के छात्रों को प्रवेश दिया जा रहा है और प्रवेश प्रक्रिया में भ्रष्टाचार व्याप्त है।

विधायक ने आरोप लगाया है कि बिचौलियों की वजह से छात्रों को प्रवेश नहीं मिल पा रहा है और अभिभावकों को परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी कहा है कि वीएनएसजीयू इस पूरे मामले में मूकदर्शक बना हुआ है।

छात्रों को प्रवेश में हो रही परेशानी, अभिभावकों की चिंता को देखते हुए वराछा विधायक कुमार कानानी ने मुख्यमंत्री से अनुरोध किया है कि वे इस मामले की जांच कराएं और छात्रों को न्याय दिलाएं।

अग्निकांड को लेकर गुजरात कांग्रेस का गांधीनगर कूच का ऐलान

अहमदाबाद (ईएमएस) राजकोट के टीआरपी गेमिंग जोन अग्निकांड के पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने और घटना के जिम्मेदारों के खिलाफ कार्यवाही की मांग को लेकर गुजरात कांग्रेस ने 25 जून को राजकोट बंद आहूत किया था। राजकोट बंद को मिली सफलता के बाद अब गुजरात कांग्रेस ने गांधीनगर कूच का ऐलान किया है। राज्य में विभिन्न दुर्घटनाओं के पीड़ित परिजनों को साथ में लेकर गांधीनगर कूच की जाएगी। बता देंकि 25 मई 2024 को राजकोट के टीआरपी जोन में लगी भीषण आग में 27 जितने लोगों की मौत हो गई थी। इस घटना में मारे गए लोगों को श्रद्धांजलि देनेऔर पीड़ित परिवारों को न्याय दिलाने के मकसद से गुजरात कांग्रेस ने 25 जून को राजकोट बंद आहूत किया था। राजकोट बंद को मिली सफलता के बाद गुजरात कांग्रेस ने अब गांधीनगर कूच का ऐलान किया है।हांलाकि गांधीनगर की कूच की तारीख का फिलहाल ऐलान नहीं किया गया है। जानकारी है कि एकसप्ताह में कांग्रेस गांधीनगर कूच की तारीख का ऐलानकरसकती है। इस कूच में कांग्रेसराजकोट के अलावा वडोदरा दुर्घटना, मोरबी दुर्घटना, सूरत दुर्घटना के पीड़ित परिवारों को साथ रखेगी।

फिर एक बार कच्छ में 2.8 की तीव्रता का भूकंप

कच्छ (ईएमएस) कच्छ में एक बार फिर भूकंप के झटका महसूस किया गया है। कच्छ जिले में भचाऊ के धोलावीरा इलाके में भूकंप आया। शाम करीब 4.41 बजे 2.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया। हालांकि, अभी तक इस झटके से किसी तरह के नुकसान की खबर नहीं है। भूकंप के झटके के बाद लोगों में अफरातफरी मच गई। जानकारी के मुताबिक, कच्छ जिले में भचाऊ के धोलावीरा इलाके में भूकंप का झटका महसूस किया गया जो भारत-पाक सीमा के पास है। शाम करीब 4.41 बजे 2.8 तीव्रता का भूकंप महसूस किया गया।

9 साल के किशोर ने आत्महत्या कर ली

जामनगर (ईएमएस) शहर में रहनेवाले एक प्रवासी परिवार के 9 साल के बेटे के आत्महत्या करने की घटना से सनसनी फैल गई। बेटे की मौत ने परिवार को झकझोर कर रख दिया। आत्महत्या कारण चौंकाने वाला है। जामनगर में रहनेवाले प्रवासी परिवार के बेटे को साइकिल चलाने को लेकर उसकी माता ने फटकार लगाई थी। मां की बात बेटे ने दिल पर ले लिया और घर में फांसी लगाकर अपनी जान दे दी। खबर मिलते ही पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई

पांडेसरा जीआईडीसी को हरा-भरा बनाने की मुहिम : 650 पेड़ लगाए गए

सूरत :सूरत स्थित पांडेसरा जीआईडीसी को हरा-भरा और सुंदर बनाने और अधिक से अधिक पेड़ लगाने की मुहिम के तहत, पांडेसरा इंडस्ट्रीयल एसोसिएशन और जीपीसीबी सूरत ने आज एक अभियान शुरू किया। इस अभियान के तहत, गुजरात प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड, सूरत के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ. जिज्ञासाबेन ओझा, पांडेसरा इंफ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अध्यक्ष कमलविजय तुलस्यान, एसजीटीपीए के अध्यक्ष जितेंद्र वखारिया और आकाश मिल के मालिक आनंद खेतान और उनकी टीम ने मिलकर अपनी मिल के बाहर लगभग 650 पेड़ लगाए।

यह पहल पांडेसरा जीआईडीसी में सभी मिल इकाइयों को प्रेरित करने के लिए की गई है ताकि वे भी अपने परिसर में पेड़ लगा सकें। कमलविजय तुलस्यान ने बताया कि जीपीसीबी अधिकारियों ने मिलों को अधिक से अधिक पेड़ लगाने और हरित क्षेत्र विकसित करने के लिए प्रोत्साहित किया है। उन्होंने यह भी कहा कि पेड़ लगाने से प्रदूषण कम करने और पर्यावरण को बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

यह अभियान पांडेसरा जीआईडीसी को एक स्वच्छ और हरा-भरा औद्योगिक क्षेत्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। इस पहल के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, डॉ. जिज्ञासाबेन ओझा ने कहा ठपेड़ लगाना न केवल पर्यावरण के लिए महत्वपूर्ण है, बल्कि यह हमारे स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। पेड़ हवा को शुद्ध करते हैं और प्रदूषण को कम करते हैं। वे जलवायु परिवर्तन के प्रभावों को कम करने में भी मदद करते हैं।

ठश्री जितेंद्र वखारिया ने कहा ठहमें उम्मीद है कि यह पहल पांडेसरा जीआईडीसी में अन्य मिलों को भी प्रेरित करेगी और वे भी अपने परिसर में पेड़ लगाएंगे। मिलकर हम इस क्षेत्र को अधिक हरा-भरा और स्वस्थ बना सकते हैं।ठ यह अभियान निश्चित रूप से पांडेसरा जीआईडीसी के पर्यावरण को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

पांडेसरा इन्फ्रास्ट्रक्चर लिमिटेड के अध्यक्ष श्री कमलविजय तुलस्यान ने कहा कि, ठयह अभियान पांडेसरा जीआईडीसी को एक हरा-भरा और स्वस्थ औद्योगिक क्षेत्र बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। हम सभी उद्योगपतियों से अनुरोध करते हैं कि वे इस मुहिम में शामिल हों और अधिक से अधिक पेड़ लगाने में अपना योगदान दें।

आकाश मिल के मालिक श्री आनंद खेतान ने कहा कि, ठहमें खुशी है कि हम इस महत्वपूर्ण पहल का हिस्सा बन सके। हम सभी उद्योगपतियों से आग्रह करते हैं कि वे पर्यावरण की रक्षा के लिए मिलकर काम करें। इस वृक्षारोपण अभियान में पांडेसरा जीआईडीसी के कई अन्य उद्योगपति और गणमान्य व्यक्ति भी शामिल हुए।

नीट पेपर लीक मामला : गुजरात के खेड़ा जिले के स्कूल तक पहुंची सीबीआई जांच

नडियाद, 26 जून

नेशनल एलिजिबिलिटी कम एंट्रेंस टेस्ट (नीट) परीक्षा के प्रश्नपत्र लीक और गड़बड़ी मामले की सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (सीबीआई) की जांच आंच खेड़ा जिले तक पहुंच गई है। बुधवार को सीबीआई की टीम खेड़ा जिले के थर्माल स्थित जय जलाराम इंटरनेशनल स्कूल में जांच करने पहुंची। सीबीआई के साथ स्थानीय पुलिस अधिकारी भी मौजूद थे। इस मामले में गिरफ्तार मुख्य आरोपित केंद्र अधीक्षक परषोत्तम शर्मा की जमानत स्थानीय सेशन कोर्ट ने खारिज कर दी है।

दरअसल, नीट परीक्षा जय जलाराम स्कूल के गोधरा और थर्मल दोनों केन्द्र पर आयोजित की गई थी। नीट परीक्षा में गड़बड़ी करने के मामले में पंचमहाल जिले की गोधरा पुलिस ने जय जलाराम स्कूल की नीट परीक्षा के सिटी कॉ-ऑर्डिनेटर और स्कूल के प्रिंसिपल परषोत्तम शर्मा को पकड़ा था। परषोत्तम शर्मा के घर पर परीक्षा के एक दिन पूर्व तुषार भट्ट के साथ मीटिंग हुई थी, जिसमें परीक्षार्थियों की लिस्ट बनाई गई थी। परीक्षा में गड़बड़ी कराने की बात सामने आने पर परषोत्तम शर्मा ने घर की सीसीटीवी फुटेज डिलिट करवा दी थी।

जानकारी के अनुसार गोधरा में नीट परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को गलत ढंग से नकल कराने के मामले में मुख्य आरोपित केंद्र अधीक्षक परषोत्तम शर्मा की नियमित जमानत याचिका पंचमहाल जिले के मुख्य सेशन्स कोर्ट ने नामंजूर हो चुकी है। महत्व की बात है कि कोर्ट में सुनवाई के दौरान जांच अधिकारी ने बताया था कि नीट की परीक्षा का देशभर में आयोजन कराने वाली नेशनल टेस्टिंग एजेंसी जांच (एनटीए) में किसी तरह का सहयोग नहीं कर रही है। कोर्ट में बताया गया कि नीट परीक्षा में शॉर्टलिस्ट हुए विद्यार्थियों की ओएमआर शीट भी नहीं दी जा रही है। कोर्ट ने एनटीए के इस व्यवहार की कड़ी आलोचना की है।

नीट परीक्षा के दौरान परीक्षार्थियों को अनुचित तरीके से मदद करने के मामले में गोधरा थाने में 8 मई, 2024 को प्राथमिकी दर्ज की गई थी। राज्य सरकार ने इस मामले की विस्तृत जांच के लिए समग्र केस को सीबीआई को सौंप दिया है। इस संबंध में गृह विभाग ने अधिसूचना भी जारी कर दी है। दरअसल, नीट यूजी की परीक्षा 5 मई, 2024 को हुई थी। परीक्षा के बाद कतिपय परीक्षार्थियों के लिए पेपर लीक होने का मामला प्रकाश में आया था। गुजरात के गोधरा के जय जलाराम स्कूल में परीक्षा के आयोजन में परीक्षार्थियों को अनुचित तरीके से मदद करने का भी खुलासा हुआ था। जानकारी के अनुसार इस मामले में परीक्षार्थियों से 10 लाख रुपये तक वसूलने का आरोप है। जिला शिक्षा अधिकारी ने स्कूल के शिक्षक, सेंटर के डिप्टी सुप्रिटेंडेंट समेत तीन के विरुद्ध शिकायत दर्ज कराई थी। समग्र केस की जांच में पुलिस ने पांच लोगों को पकड़कर पूछताछ की थी।

शरारती तत्वों ने रेलवे ट्रैक पर सीमेंट को पोल रखा, रेल विभाग की सतर्कता से बड़ा हादसा टला

वलसाड (ईएमएस) वापी रेलवे स्टेशन पर देर रात एक बड़ा रेल हादसा टल गया। अज्ञात शरारती तत्वों ने रेलवे ट्रैक पर सीमेंट का खंभा रखकर ट्रेन को पलटने की कोशिश की। हालांकि जैसे ही रेलवे विभाग को इसकी जानकारी मिली तो टीमें तुरंत मौके पर पहुंच गईं और सीमेंट के पोल को ट्रैक से हटा दिया गया। रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी आज मौके पर पहुंचे और संबंधित विभाग को आवश्यक निर्देश दिये। वलसाड जिले में पहले ट्रेन पलटने की कोशिश की घटनाएं हुई हैं। हालाँकि पिछली घटनाओं में भी रेलवे विभाग द्वारा ऐसी साजिशों को सफलतापूर्वक विफल कर दिया गया था। आज भी हुई इस घटना को अब रेलवे विभाग की टीमों ने गंभीरता से लेते हुए इस मामले की जांच की है। इस संबंध में रेलवे पुलिस समेत अन्य एजेंसियों ने जांच शुरू कर दी है।

शाला प्रवेशोत्सव-2024 : 'उत्सव.. आनंदमय शिक्षा का'

मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने डांग के बिलिआंबा से शाला प्रवेशोत्सव का राज्यव्यापी शुभारंभ कराया

गांधीनगर 26 जून : मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प में शिक्षा की मजबूत नींव रखकर 'विकसित गुजरात' के जरिए आगे बढ़ने का आह्वान किया है। इस संदर्भ में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने सुदूरवर्ती गांवों तक श्रेष्ठ शिक्षा सुविधाएं सुलभ कराई हैं। सरकार विद्यार्थियों के साथ खड़ी रहकर उनकी प्रतिभा को निखारने और उचित अवसर देने की व्यवस्थाएं भी कर रही है।

यह बात उन्होंने 21वें राज्यव्यापी शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के अंतर्गत बुधवार को आदिवासी क्षेत्र डांग जिले के सीमावर्ती गांव बिलिआंबा के प्राथमिकस्कूल में बच्चों का नामांकन कराने केअवसर पर कही। उन्होंने इस गांव की बाल वाटिका, आंगनवाड़ी और प्राथमिक एवं माध्यमिक स्कूल में कुल 127 बच्चों का शाला प्रवेश कराया। मुख्यमंत्री ने अपने सरल स्वभाव और सहज व्यक्तित्व से हर किसी के दिल में एक सम्मानित अभिभावक के रूप में जो स्थान प्राप्त किया है, उसकी अनुभूति स्कूल के बच्चों को भी हुई। श्री भूपेंद्र पटेल बिलिआंबा प्राथमिक स्कूल की कक्षा में विद्यार्थियों के बीच पहुंचे और उनसे संवाद किया। इतना ही नहीं, उन्होंने एक विद्यार्थी की अभ्यास पुस्तिका देखकर उससे प्रश्न भी किए।

स्कूल की बालिकाओं ने मुख्यमंत्री के अभिभावक सहज वात्सल्य प्रेम की अनुभूति करते हुए उनके साथ आत्मीयतापूर्वक बातचीत की। कक्षा-5 में पढ़ने वाली दृष्टि ने कहा कि मुख्यमंत्री को निकट से देखने का उसका स्वप्न पूरा हो गया है। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने भी बच्चों का अभिवादन स्नेहपूर्वक स्वीकार किया।

मुख्यमंत्री ने शाला प्रवेशोत्सव के अवसर पर उपस्थित ग्रामीणों से कहा कि सरकार शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम के माध्यम से स्कूलों में भौतिक सुविधाएं व सहूलियतें विकसित करती ही है, लेकिन यह आवश्यक है कि बच्चों के अभिभावक, स्कूल प्रबंधन समिति (एसएमसी) और शिक्षक भी एक पालक के रूप में बच्चों की पढ़ाई के प्रति अधिक ध्यान दें और अपना सामाजिक दायित्व निभाएं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षक बच्चों की पढ़ाई, स्कूल में हाजिरी की नियमितता को लेकर सजग हैं और पर्याप्त ध्यान देते हैं। उन्होंने स्कूल प्रबंधन समिति और अभिभावकों से अनुरोध किया कि वे भी बच्चों की पढ़ाई के फॉलोअप और स्कूल में अनुपलब्ध सुविधाओं की आपूर्ति को लेकर सतर्क रहें। मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने कहा कि राज्य सरकार ने अंबाजी से उमरगाम तक के पूरे आदिवासी पट्टे में साइंस कॉलेज, विज्ञान संकाय के स्कूल और मेडिकल कॉलेज सहित अन्य सुविधाएं मुहैया कराई हैं।

इसके अलावा, उन्होंने अपील की कि विद्यार्थियों के उच्च अभ्यास और करियर निर्माण के लिए कल्याण योजनाओं का लाभ उठाकर आदिवासी बच्चे अपने उज्ज्वल भविष्य का निर्माण करें। उन्होंने प्रेरक मार्गदर्शन देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी द्वारा दिए गए 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' के मंत्र को सभी साथ मिलकर साकार करें और आने वाली पीढ़ी को शिक्षा-ज्ञान की समृद्धि से सुसज्जित कर विकसित भारत के लिए विकसित गुजरात का निर्माण करें। उन्होंने स्कूल की कंप्यूटर लैब, कक्षाओं और स्कूल परिसर में टपक सिंचाई पद्धति से किए गए वृक्षारोपण सहित अन्य सुविधाओं का प्रत्यक्ष निरीक्षण किया। बिलिआंबा स्कूल परिसर में मुख्यमंत्री ने नीम का पौधा लगाकर सभी को पर्यावरण संरक्षण और संवर्धन का मूक संदेश दिया। उन्होंने इस बात की प्रशंसा की कि डांग जिले के इस सीमावर्ती गांव के स्कूल के विद्यार्थियों ने पहले आयोजित हुए शाला प्रवेशोत्सव कार्यक्रम का लाभ उठाया, और आज वे डॉक्टर, पर्वतारोही और खिलाड़ी बन गए हैं।

यहां से पढ़ाई कर और 'कन्या केळवणी' यानी कन्या शिक्षा का लाभ उठाकर डॉक्टर बनने वाली और एक शानदार करियर की ओर आगे बढ़ रहीं डॉ. अंकिता कुंवर, खेल क्षेत्र में डांग जिले को गौरवान्वित करने वाले धावक मुरली गावित, पर्वतारोही भोवान राठोड़ और भारतीय प्रबंधन संस्थान (आईआईएम) में अध्ययन कर रहे युवा अविराज चौधरी का मुख्यमंत्री सहित अन्य महानुभावों ने स्वागत-सम्मान किया।

उप मुख्य सचेतक और डांग जिले के विधायक श्री विजयभाई पटेल ने मुख्यमंत्री का स्वागत करते हुए ग्रामीणों से विभिन्न योजनाओं का लाभ उठाकर विकास के मार्ग पर आगे बढ़ने की अपील की। स्वागत भाषण में कलेक्टर श्री महेश पटेल ने कार्यक्रम की रूपरेखा के साथ-साथ डांग जिले की विशेषताओं का भी उल्लेख किया। शाला प्रवेशोत्सव के शुभारंभ अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती निर्मलाबेन, भाजपा अध्यक्ष श्री किशोरभाई पटेल, संगठन प्रभारी श्री राजेशभाई देसाई, प्रदेश आदिजाति मोर्चा के मंत्री श्री सुभाषभाई गाइन, तहसील एवं जिले के पदाधिकारी, कार्यकर्ता, जिला शिक्षा अधिकारी श्री जिग्नेश त्रिवेदी तथा उनकी टीम सहित जिले के वरिष्ठ अधिकारी, अभिभावक, विद्यार्थी और प्रवेश लेने को उत्सुक बच्चे उपस्थित रहे।

पश्चिम रेलवे के अहमदाबाद मण्डल द्वारा यात्री-केंद्रित सुविधाओं का उन्नयन

पश्चिम रेलवे का अहमदाबाद मंडल नवाचार और यात्री संतुष्टि पर ध्यान केंद्रित करते हुए हमेशा यात्रियों के लाभ के लिए विश्वसनीय, कुशल और सुलभ सुविधाएँ प्रदान करने के लिए प्रयासरत है। मंडल ने अपने यात्रियों के लिए सुविधाओं के उन्नयन के साथ-साथ उनके समग्र यात्रा अनुभव को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कई यात्री-केंद्रित कार्यों के लिए प्रयासरत है जिसमें दिव्यांगजनों के लिए सुविधाओं का विस्तार करना भी शामिल है।

पश्चिम रेलवे अहमदाबाद मंडल का लक्ष्य दिव्यांगजनों के अनुकूल बुनियादी ढाँचा तैयार करना है। इसके तहत कई कार्यों की योजना बनाई गई है, जिसमें व्हीलचेयर उपयोग कर्ताओंऔर गतिशीलता में कमी वाले यात्रियों के लिए आसान आवाजाही की सुविधा के लिए प्रमुख स्टेशनों पर रैंप और रेलिंग लगाना शामिल है। दिव्यांग यात्रियों की ज़रूरतों को पूरा करने के लिए स्टेशन के प्रवेश द्वारों के पास विशेष रूप से डिज़ाइन किए गए शौचालय और पेयजल बूथ और आरक्षित पार्किंग स्थल प्रदान किए गए हैं। दृष्टिबाधित यात्रियों की सुविधाके लिए अहमदाबाद स्टेशन पर ब्रेल साइनेजेज प्रदान किए गए हैं। 25 स्टेशनो पर ऑटोमेटिक तथा 69 स्टेशनों पर मैनुअल यात्री उद्घोषणा प्रणाली लगाया गया है, स्टेशनों पर ग्लो साइन पैसेंजर गाइडेंस बोर्ड, एलईडी स्टेशन नेम बोर्ड आदि भी लगाए गए हैं।

अहमदाबादमण्डल के 5 स्टेशनों अहमदाबाद, गांधीधाम,भुज, महेसाणा और पालनपुर पर 26 एस्के लेटर्स तथा 10 स्टेशनों अहमदाबाद, भुज, महेसाणा,गांधीधाम,साबरमती, पालनपुर, सामाख्याली, भचाऊ,वडनगर, मणिनगर पर 29 लिफ्ट की सुविधा उपलब्ध है जो दिव्यांग एवं बीमार यात्री के लिए काफी उपयोगी साबित हो रहा है ये अत्याधुनिक सुविधाएं दिव्यांगजन यात्रियों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए डिजाइन की गई हैं,

पश्चिम रेलवे द्वारा अहमदाबाद मंडल की चार जोड़ी ट्रेनों में जोड़े जाएंगे अतिरिक्त कोच

पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की मांग एवं सुविधा को ध्यान में रखते हुए अहमदाबाद मंडल से चलने वाली चार जोड़ीट्रेनों में अतिरिक्त कोच जोड़े जाएंगे।

1.ट्रेनसंख्या22920/22919 अहमदाबाद-एमजीआरचेन्नई सेंट्रल-अहमदाबाद हमसफर एक्सप्रेस में 01 जुलाई 2024 से अहमदाबाद से तथा 03 जुलाई 2024 से एमजीआर चेन्नई सेंट्रल से दो कोच थर्ड एसी के अतिरिक्त जोड़े जाएंगे।

2.ट्रेन संख्या19411/19 412 साबरमती-दौलतपुरचौक-साबरमती एक्सप्रेस ट्रेन में 07 जुलाई 2024 से साबरमती से तथा 8जुलाई 2024 से दौलतपुर चौकसे एक थर्ड एसी,3 स्लीपर तथाएक जनरल श्रेणी का कोच अतिरिक्त जोड़ा जाएगा।

3.ट्रेन संख्या 09425/09426 साबरमती-हरिद्वार-साबरमती स्पेशल ट्रेन में 01जुलाई से 29जुलाई 2024 तक साबरमती से तथा 2 जुलाई 2024 से 30 जुलाई 2024 तक हरिद्वार से दो थर्ड एसी के कोच अतिरिक्त जोड़े जाएंगे।

4.ट्रेन संख्या 09405/09406 साबरमती-पटना-साबरमती स्पेशल ट्रेन में 2 जुलाई 2024 से 24 सितंबर 2024 तक साबरमती से तथा 4 जुलाई 2024 से 26 सितंबर 2024 तक पटना से एक थर्ड एसी और दो स्लीपर श्रेणी के कोच अतिरिक्त जोड़े जाएंगे।

ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े बाइक सवार को ट्रक ने रौंद दिया, घटनास्थल पर मौत

सूरत (ईएमएस) शहर में डिंडोली के सांई पॉइंट स्थित ट्रैफिक सिग्नल पर खड़े बाइक सवार को ट्रक ने अपनी चपेट में ले लिया। इस हादसे में बाइक सवार की घटनास्थल पर ही मौत हो गई। घटनास्थल पर पहुंची पुलिस ने ट्रक चालक के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की है। जानकारी के मुताबिक सूरत के वराछा क्षेत्र के जिज्ञासा एपार्टमेंट निवासी 35 वर्षीय आदित्य विनोदभाई मेहता दोपहर के वक्त शहर के डिंडोली क्षेत्र के सांई पॉइंट स्थित ट्रैफिक सिग्नल अपनी मोटर साइकिल लेकर खड़े थे। आदित्य मेहता की बाइक के पीछे आइशर ट्रक खड़ा था। सिग्नल चालू होते ही ट्रक चालक ने टर्न लेने के प्रयास में आदित्य मेहता को अपनी चपेट में ले लिया। ट्रक की चपेट में आकर बाइक सवार आदित्य मेहता सड़क पर जा गिरे। उसी दौरान ट्रक के पहिए आदित्य को सिर को कुचलते हुए आगे बढ़ गए। इस हादसे में आदित्य का सिर फटने से उनकी मौके पर ही मौत हो गई। इस दर्दनाक घटना ने आसपास मौजूद सभी लोगों को हिला कर रख दिया। खबर पाते ही डिंडोली पुलिस घटनास्थल पर पहुंच गई और ट्रक चालक को गिरफ्तार कर लिया। मृतक के बहनोई ने बताया कि आदित्य सूरत के मजूरा गेट स्थित एक लेबोरेटरी में काम करते थे और घटना के वक्त वह कलेक्शन के लिए जा रहे थे। पुलिस ने मृतक के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज आगे की कार्यवाही शुरू की।

मेडियलाइज़ेशन थायरोप्लास्टी सर्जरी भाईलाल अमीन जनरल हॉस्पिटल, वडोदरा में की गई

26 जून, 2024, वडोदराः एक हालिया उपलब्धि में, भाईलाल अमीन जनरल अस्पताल वडोदरा में चिकित्सा विशेषज्ञों की एक टीम ने 56 वर्षीय व्यक्ति की आवाज को बहाल करने में उल्लेखनीय सफलता हासिल की है। गुजरात के राजकोट के रहने वाले पेशे से रिक्शा चालक को सांस लेने में तकलीफ और बोलने में कठिनाई के कारण यात्रियों से संवाद करने में कठिनाई होती थी। वह पिछले आठ महीने से इस समस्या से जूझ रहे थे। और इसलिए उन्हें 1 मार्च 2024 को अस्पताल में भर्ती कराया गया। मरीज ने आवाज में स्थायी बदलाव और पानी पीते समय खांसी की शिकायत की। उनकी हालत बिगड़ती जा रही थी क्योंकि उन्हें सर्वाइकल स्पाइन की पुरानी शिकायत थी. आठ महीने पहले उन्होंने इसके लिए सर्जरी कराई थी। चूँकि वह घर में अकेले कमाने वाला था, इस स्थिति के कारण उसकी आजीविका खतरे में पड़ गई। इस मामले का नेतृत्व डॉ. दर्शील वैष्णव, लैरींगोलॉजिस्ट और ईएनटी सर्जन, भाई लाल अमीन जनरल अस्पताल, और गहन जांच के बाद पता चला कि वह दाहिनी वोकल कॉर्ड पक्षाघात से पीड़ित थे, जिसके कारण उन्हें संचार में गंभीर बाधा आ रही थी। निदान के तौर पर उन्हें मेडियलाइज़ेशन थायरोप्लास्टी की सिफारिश की गई, जो आवाज को बहाल करने की एक अभिनव प्रक्रिया है। इस जटिल प्रक्रिया के दौरान, रोगी के स्वरयंत्र में एक अनुकूलित सिलिकॉन इम्प्लांट डाला जाता है, जिसे आमतौर पर वोकल फोल्ड के रूप में जाना जाता है, ताकि लकवाग्रस्त वोकल फोल्ड को धीरे से मध्य रेखा की ओर खींचा जा सके। सर्जरी 2 मार्च, 2024 को की गई थी। दो दिनों के पोस्ट-ऑपरेटिव उपचार को पूरा करने के बाद, मरीज को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई, और पुरानी आवाज की समस्या और संचार की बाधा के बिना अपने जीवन में एक नया अध्याय शुरू किया, यह उल्लेखनीय उपलब्धि बैलाल अमीन की चिकित्सा टीम के उन्नत समर्पण को दर्शाती है। चिकित्सा के क्षेत्र में जनरल हॉस्पिटल अत्याधुनिक उपचारों के माध्यम से जीवन को बेहतर बनाने की एक अनूठी उपलब्धि और पहल। इस पर टिप्पणी करते हुए, भाई लाल अमीन जनरल हॉस्पिटल के लैरींगोलॉजिस्ट और ईएनटी सर्जन डॉ. दर्शील वैष्णव ने कहा, ''हम आवाज को बहाल करने और परिवार के एकमात्र कमाने वाले की आजीविका वापस लाने में सक्षम थे। जिस देखभाल के साथ यह सर्जरी की गई, वह मामले को उजागर करती है। पूरी प्रक्रिया के दौरान, रोगी जाग रहा था, जिससे चिकित्सा विशेषज्ञ को समय-समय पर उसकी आवाज़ की गुणवत्ता की जाँच करने की अनुमति मिली। इस अनूठी विशेषता ने इम्प्लांट के आकार और स्थिति को सटीक रूप से समायोजित करना संभव बना दिया, जिससे रोगी को सर्वोत्तम संभव परिणाम प्राप्त हुआ। हम विश्व स्तरीय स्वास्थ्य देखभाल सुविधाएं विकसित करने और हमें ऐसी जटिल प्रक्रियाओं को अत्यंत सटीकता के साथ करने और आशाजनक परिणाम देने में सक्षम बनाने के लिए भाईलाल अमीन जनरल अस्पताल, वडोदरा के नेतृत्व को धन्यवाद देते हैं।

मालिक, मुद्रक-प्रकाशक व सम्पादक : लक्ष्मीचन्द जी. अग्रवाल द्वारा ब्रिजाशा ऑफसेट, सरसपुर, अहमदाबाद में मुद्रित करवाकर, स्वेतप्रित बिल्डिंग, खासवा